संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 107
पृष्ठ 8
शनिवार
04 जनवरी 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– महिलाओं की सेहत के...
विचार– आर्थिक चुनौतियों का....
खेल– पहले दिन का खेल....

दिल्ली को पीएम मोदी की सौगात, बोले–

आज भारत राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वाभिमान अपार्टमेंट, अशोक विहार, दिल्ली में इन–सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के तहत झुग्गी झोपड़ी (जेजे) समूहों के लिए 1,675 नवनिर्मित फ्लैटों के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। इसके साथ ही उन्होंने झुग्गी झोपड़ी (जेजे) समूहों के निवासियों के लिए नवनिर्मित फ्लैटों के लाभार्थियों को चाबियां सौंपी। प्रधानमंत्री ने इसके अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय में 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तीन नयी परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार में पूर्वी परिसर, द्वारका में पश्चिमी परिसर और नजफगढ़ के रोशनपुरा में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वीर सावरकर कॉलेज का भवन शामिल है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बन गया है। 2025 में भारत की यह भूमिका और भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि यह वर्ष विश्व में भारत की स्थिति मजबूत करने का वर्ष होगा। यह भारत को दुनिया के सबसे बड़े विनिर्माण केंद्रों में से एक बनाने का वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि आज जब मैं यहां हूं, तो कई पुरानी यादें याद आना स्वाभाविक है। जब देश इंदिरा गांधी की तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा था, तो मेरे जैसे कई लोग जो भूमिगत आंदोलन का हिस्सा थे, उनके लिए अशोक विहार मेरे रहने की जगह हुआ करती थी। मोदी ने कहा कि आज पूरा देश विकसित भारत के निर्माण के मिशन में एकजुट है। हमारा संकल्प यह सुनिश्चित करना है कि हर नागरिक के पास पक्का घर हो और हम इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली इस परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, यही कारण है कि भाजपा की केंद्र सरकार ने मलिन बस्तियों को स्थायी आवास से बदलने की पहल शुरू की है। उन्होंने कहा कि ये वर्ष विश्व में भारत में अंतरराष्ट्रीय छवि को और सशक्त करने का होगा। ये वर्ष भारत को दुनिया का बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का वर्ष होगा।

ये वर्ष युवाओं को नए स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप में आगे बढ़ाने का होगा। ये वर्ष कृषि क्षेत्र में नए कीर्तिमानों का होगा। ये वर्ष महिलाओं के नेतृत्व में विकास के हमारे मंत्र को नई ऊंचाई देने का होगा। ये वर्ष जीवन जीने में आसानी और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने का होगा। प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर दो शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं, नौरोजी नगर में विश्व व्यापार केंद्र (डब्ल्यूटीसी) और सरोजिनी नगर में जनरल पूल आवासीय आवास (जीपीआरए) टाइप–II क्वार्टर का भी उद्घाटन किया।

किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी

● योगी आदित्यनाथ ने नए साल के पहले जनता दर्शन में दिया न्याय का भरोसा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को कड़ाके की ठंड के बावजूद नए साल के पहले जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर पहुंचे और लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं एवं संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। दरअसल, सीएम योगी गोरखपुर दौरे पर है। आज दौरे के दूसरे दिन हमेशा की तरह सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना की और इसके बाद जनता दर्शन किया। जनता दर्शन में योगी ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी खुद लोगों के पास गए और सबकी समस्या सुनीं। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए।

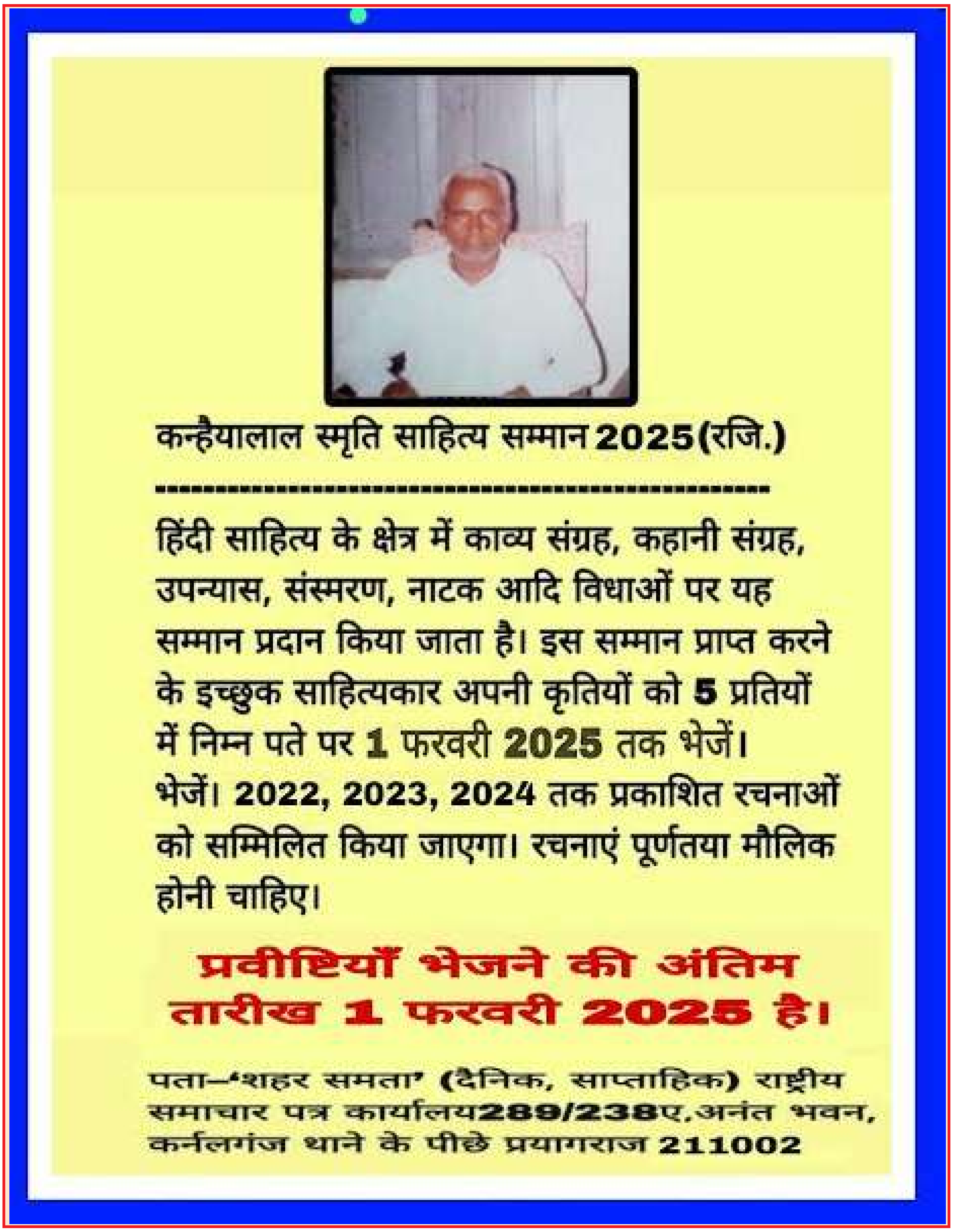

गैंगस्टर छोटा राजन का गुर्गा राजू चिकन्या मुंबई से गिरफ्तार, 32 साल से था फरार

मुंबई, एजेंसी। छोटा राजन गिरोह के एक खूंखार गैंगस्टर को 32 साल तक भागने के बाद शुक्रवार को मुंबई पुलिस ने पकड़ लिया। गैंगस्टर राजू चिकन्या उर्फ घ्वविलास पवार हत्या और 1992 की गोलीबारी की घटना में वांछित था। पुलिस के मुताबिक, पवार ने 1992 में मुंबई के दादर पुलिस स्टेशन पर

गोलीबारी की थी। उस समय दादर पुलिस स्टेशन में गोलीबारी और हत्या का मामला दर्ज किया गया था। देवनार पुलिस स्टेशन में आईपीसी के कई प्रावधानों के तहत एक और मामला दर्ज किया गया था, जिसमें 307 (हत्या का प्रयास), 34 (सामान्य इरादे को आगे बढ़ाने में कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कार्य), 3 (भारत के बाहर किया गया अपराध) और 25 (कपटपूर्ण इरादे) शामिल हैं। वह एक हत्या मामले और अलीबाग पुलिस स्टेशन में दर्ज एक अलग मामले में भी वांछित था। कई प्रयासों के बावजूद, पवार इन सभी वर्षों में गिरफ्तारी से बचने में कामयाब रहे। खूंखार छोटा राजन गिरोह का सदस्य, पवार अपने गढ़ गोवंडी, मुंबई पर मजबूत पकड़ बनाए रखने और पूरे अस्सी के दशक में बेखौफ होकर काम करने के लिए कुख्यात था। पवार को बाद में दिन में एक स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस उसके ठिकाने की जांच करेगी और वह पिछले 32 वर्षों से गिरफ्तारी से बचने में कैसे कामयाब रहा।

फडणवीस सरकार ने किया नौकरशाही में बड़ा बदलाव, 12 आईएएस अधिकारियों के किये तबादले

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने 12 भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का तबादला कर दिया, जिनमें मिलिंद म्हैस्कर भी शामिल हैं, जिन्हें वन और राजस्व विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य विभाग में एसीएस रहे म्हैसकर की जगह निपुण विनायक को नियुक्त किया गया है।

वेणुगोपाल रेड्डी को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में एसीएस नियुक्त किया गया है. जितेंद्र डूडी की जगह संतोष पाटिल सतारा के नए कलेक्टर हैं, जिन्हें सुहास दिवसे की जगह पुणे कलेक्टर नियुक्त किया गया है। दिवासे पदोन्नत किया गया है, पुणे कलेक्टर थे जब विवादास्पद पूर्व प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर जिले में कार्यरत थीं। 2023 बैच की खेडकर पर अपना चयन सुनिश्चित करने के लिए धोखाधड़ी करने और गलत तरीके से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और विकलांगता कोटा लाभ लेने का आरोप लगाया गया था। विकास चंद्र रस्तोगी कृषि विभाग में नए प्रमुख सचिव हैं, जबकि आईए कुंदन को उद्योग, ऊर्जा और श्रम विभाग में प्रमुख सचिव नियुक्त किया गया है। जयश्री भोज को खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग में सचिव नियुक्त किया गया है, जबकि एचएस सोनावणे को खेल और युवा कल्याण विभाग में आयुक्त बनाया गया है।

खराब मौसम की पहले मिल जाएगी सूचना, तैयार होगा मेला प्रशासन

प्रयागराज। महाकुंभ क्षेत्र में बारिश या खराब मौसम का समय रहते एलर्ट जारी हो जाएगा। इसके लिए तीन अलग–अलग क्षेत्रों में ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन बनाए गए हैं। एक–दो दिनों में सभी स्टेशन पूरी तरह से काम करने लगेंगे। महाकुंभ के दौरान बारिश के अलावा कोल्ड वेव की भी आशंका है। इसे देखते हुए मेला प्रशासन की ओर से मौसम की पूर्व सूचना उपलब्ध कराने के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग को पत्र लिखा गया था। ताकि, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं व पर्यटकों को खराब मौसम से बचाने के लिए समय रहते तैयारी की जा सके। इसी क्रम में मौसम विभाग की ओर से अरैल के सेक्टर 23 में ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन बनाया जा रहा है। इसके अलावा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के के बनर्जी वातावरणीय एवं समुद्रीय विज्ञान संस्थान और गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान में भी ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन बनाए गए हैं। इस तरह से तीन जोन में बसे मेला के लिए अलग–अलग स्टेशन बनाए गए हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. शैलेंद्र राय ने बताया कि तीनों स्टेशन मौसम विभाग के केंद्रीय केंद्र से जुड़े रहेंगे। इन स्टेशनों की मदद से तापमान, आर्द्रता, धूप, बारिश की संभावना समेत अन्य डाटा लगातार मिलता रहेगा। इनकी मदद से एक सप्ताह तक के मौसम की सटीक जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। कुंभ–2019 में भी तीन स्थानों पर ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन बनाए गए थे। इनसे मौसम की जानकारी प्राप्त कर समय रहते तैयारी में काफी मदद मिली थी। इसे देखते हुए मौसम विभाग की ओर से इस बार भी तीन स्थानों पर स्टेशन बनाए गए हैं। कुंभ–2019 में वायु की गुणवत्ता मापने वाली वैन भी मंगाई गई थी, लेकिन इस बार वैन नहीं मंगाई गई है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में बने ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन से प्रारंभिक डाटा बृहस्पतिवार को मिलने लगा। एक–दो दिनों में इसके पूरी तरह से काम करने की उम्मीद है। इसी के साथ दो अन्य स्थानों पर बने स्टेशनों के भी एक–दो दिन में काम करने की उम्मीद है। विश्वविद्यालय में बने स्टेशन से प्राप्त प्रारंभिक डाटा के अनुसार शुक्रवार को धूप निकलने की उम्मीद है। मौसम विभाग अपनी स्थापना का 150वां वर्ष मना रहा है। इस मौके पर मेला क्षेत्र में विभाग की ओर से प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी अरैल में सेक्टर 23 में लगाई जाएगी। इसमें विभाग के 150 वर्ष के सफर के बारे में जानकारी दी जाएगी।

महाकुंभ में बुकिंग के नाम पर एक और फर्जी वेबसाइट मिली, पिछले सप्ताह चार मिली थींय UPSTDC ने दर्ज कराया केस

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में होटल, टेंट और कॉटेज की बुकिंग के नाम पर लगातार फर्जी वेबसाइट से ठगी का प्रयास किया जा रहा है। अब एक और फर्जी वेबसाइट मिलने पर उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (यूपीएसटीडीसी) ने साइबर थाने में केस दर्ज कराया है। मुख्य व्यवस्था अधिकारी डीपी सिंह ने पुलिस को बताया कि महाकुंभ की तैयारियां जोरों पर हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं के लिए ठहरने आदि सुविधाओं को लेकर विभाग की ओर आधिकारिक रूप से बुकिंग के लिए कई वेबसाइट को अधिकृत किया गया है। हालांकि, सोशल मीडिया के माध्यम से संज्ञान में आया है कि www-yatradham-org नामक फर्जी वेबसाइट से महाकुंभ में आने वाले तीर्थ यात्रियों को सुविधाओं और होटल, कॉटेज, स्नान आदि की बुकिंग के नाम पर ठगने का प्रयास किया जा रहा है। इस वेबसाइट में दर्ज संपर्क नंबर के विरुद्ध ठगी करने की कई शिकायतें मिली हैं। उक्त फर्जी वेबसाइट की जांच कर त्वरित कार्रवाई करना जरूरी है। ताकि यूपीएसटीडीसी विभाग के नाम पर बनाई गई फर्जी वेबसाइट से लोगों को ठगी से बचाया जा सके। फर्जी वेबसाइट का खुलासा होने पर साइबर पुलिस की एक टीम ठगों की पहचान करने में जुट गई है। पुलिस ने संबंधित डोमेन को मेल कर पूछा है कि उक्त वेबसाइट किसके नाम पर रजिस्टर्ड है। साथ ही इसे कहां से ऑपरेट किया जा रहा है। मेल का जवाब मिलते ही साइबर पुलिस आरोपी ठगों को गिरफ्तार कर सकती है। बता दें कि इससे पहले 18 नवंबर को साइबर थाने ने फर्जी वेबसाइट को लेकर मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद 26 दिसंबर को चार व अब एक और केस दर्ज किया गया है। अब तक कुल छह मुकदमे दर्ज हो चुके हैं।

सूबेदारगंज–मुंबई समेत छह जोड़ी महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों का एलान

प्रयागराज। सूबेदारगंज से मुंबई के लोकमान्य तिलक समेत छह जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसकी समय सारिणी उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने बृहस्पतिवार को जारी कर दी है। जिन ट्रेनों को चलाया जाना है उसमें पटना–आनंद विहार, मुजफ्फरपुर–सिकंदराबाद, मुजफ्फरपुर–पुणे, गया–कोयम्बटूर ,हापा–नहारलागुन शामिल है। सूबेदारगंज से लोकमान्य तिलक के लिए 04115 का संचालन 09 जनवरी से शुरू होगा। यहां से इसकी रवानगी दोपहर 12.10 बजे प्रत्येक बृहस्पतिवार को होगी। ट्रेन अगले दिन रात 8.50 बजे लोकमान्य तिलक पहुंच जाएगी। इसी तरह 04116 लोकमान्य तिलक से शुक्रवार दस जनवरी से शुरू होगी। वहां से रात 10.50 बजे चलकर रविवार सुबह 7.30 बजे सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पहुंच जाएगी। 22 कोच की इस ट्रेन में स्लीपर के दस, एसी थ्री के छह, सामान्य श्रेणी के चार एवं एसएलआर श्रेणी के दो कोच रहेंगे।

श्रीकृष्ण कूप पर पूजा व परिक्रमा की मांग में दाखिल की अर्जी, परिक्रमा की मांगी अनुमति

यागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि के विवादित परिसर में श्रीकृष्ण कूप पर पूजा व परिक्रमा की मांग को लेकर अर्जी दाखिल की गई। इसमें शाही मस्जिद ईदगाह के सचिव तनवीर अहमद व यूपी सुन्नी सेंट्रल बोर्ड ऑफ वक्फ को पक्षकार बनाया गया है। प्रार्थना पत्र श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट मथुरा के अध्यक्ष आशुतोष पांडेय ने दाखिल किया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार श्रीकृष्ण कूप पर माता शीतला सप्तमी व एवं अष्टमी पर वर्षों से बसोढ़ा पूजा की जाती है। साथ ही एकादशी के दिन अखंड श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर की परिक्रमा की जाती है।

शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी आदि के लोग परंपरागत पूजा व परिक्रमा को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। अध्यक्ष आशुतोष पांडेय ने कहा कि सनातन धर्म के सभी व्रतों में केवल बसोढ़ा पूजा का व्रत है, जिसमें बासी खाना खाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि बसोढ़ा पूजा से मनुष्य को रोगों और कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। विवादित जगह पर स्थित श्रीकृष्ण कूप पर आज भी सनातनी लोग शादी विवाह व त्योहारों पर पूजा करते आ रहे हैं, अब रोका जा रहा है। प्रार्थना पत्र के माध्यम से कृष्ण कूप पर पूजा करने व एकादशी के दिन जन्मभूमि परिसर की परिक्रमा करने की अनुमति मांगी गई है।

गिरीश श्रीवास्तव के तीन मुक्तक

होठ पत्थर के हिल गये होते।।
फूल पतझड़ में खिल गये होते।।
जिन्दगी मेरी भी संवर जाती–
आप मुझसे जो मिल गये होते।।

दूर हो सकते नहीं शिकवे गिले रहते हैं।।
हो नहीं सकता होठ भौरें सिले रहते हैं।
दिल में उत्साह हो उमंग हो मुहब्बत हो–
नेह के पुष्प पतझरों में खिले रहते।।

जीवन से दूर हो विषाद हर्ष, मुबारक।।
चूमें शिखर नित हो सदा उत्कर्ष, मुबारक।।
आगत का करें स्वागत, दिल खोल कर गिरीश–
मित्रों खुशी मनाइये नववर्ष, मुबारक।।

आरएसएस महाकुंभ में 21 लाख लोगों को देगा एक थाली–एक थैला, लिम्का बुक में दर्ज कराने का है लक्ष्य

प्रयागराज। महाकुंभ को गंदगीमुक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने एक थाली–एक थैला अभियान शुरू किया है। संघ का इरादा देशभर से स्टील की 21 लाख थालियां और कपड़े के थैले बांटकर लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने का है। अभी तक जुटाई गईं 15 लाख थालियां और थैले यहां पहुंच चुके हैं। संतों, समाजसेवी संस्थाओं और कल्पवासियों को इनका वितरण भी शुरू कर दिया गया है। आरएसएस अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तनों पर विशेष काम कर रहा है। दो विषयों में पर्यावरण और स्वदेशी भी हैं। इसी कड़ी में महाकुंभ को कचरा मुक्त बनाने की मुहिम छेड़ी गई है। इसके लिए संघ ने देशभर में एक थाली–एक थैला अभियान शुरू किया है। इसमें संघ के सभी आनुषांगिक संगठन, विश्व हिंदू परिषद और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सहभागी हैं। संघ का उद्देश्य है कि 13 जनवरी को महाकुंभ का शुभारंभ होने से पूर्व विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं, संतों–महंतों तक पर्याप्त थाली और थैले पहुंचा दिए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को डिस्पोजल बर्तनों में भोजन नहीं करना पड़े। इससे गंदगी नहीं फैलेगी। संघ के पर्यावरण संयोजक डॉ. अमित पांडेय बताते हैं कि करीब 15 लाख थालियां और थैले यहां पहुंच चुके हैं। इनका कुछ अखाड़ों और कल्पवासियों के शिविरों में वितरण भी शुरू कर दिया गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल पूरी तरह बंद करने के लिए कपड़ा, जूट आदि से बने और थैले भी जुटाए जा रहे हैं। देश के विभिन्न प्रांतों से एकत्र की गईं थालियों को महाकुंभ तक लाने का दायित्व देख रहे डॉ. अमित कहते हैं कि मेले या सार्वजनिक स्थल पर ऐसा सेवाकार्य कभी नहीं हुआ। हम 21 लाख थालियां और थैले वितरित करके इस अभियान को लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराएंगे। संघ ने श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए राशि जुटाने की तर्ज पर एक थाली–एक थैला अभियान शुरू करके महाकुंभ से आमजन को जोड़ने की बड़ी कोशिश की है। इसमें निरंतर मिल रही सफलता ने और रफ्तार दी। देशभर से जुटाई गईं थालियां और थैले यहां विहिप कार्यालय, संघ कार्यालय आदि स्थानों पर रखी जा रही हैं।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को बड़ा झटका, हाईकोर्ट ने ठुकराई एफआईआर रद्द करने की मांग

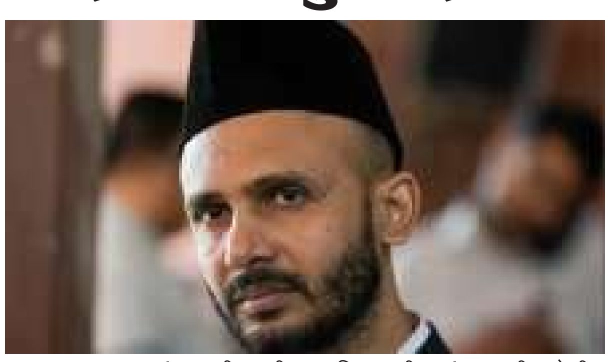

प्रयागराज। संभल की शाही जामा मस्जिद में 24 नवंबर को सर्वे के दौरान हुई हिंसा मामले में समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क को तगड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा सांसद के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग ठुकरा दी है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में एफआईआर रद्द नहीं होगी और पुलिस की जांच जारी रहेगी। हालांकि हाईकोर्ट ने पुलिस को फिलहाल सांसद बर्क को गिरफ्तार नहीं करने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में सपा सांसद के मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एफआईआर रद्द करने की मांग को ठुकरा दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जिन धाराओं में सांसद बर्क के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनमें 7 साल से कम की सजा होती है। इस मामले में पुलिस सांसद बर्क को नोटिस जारी करेगी। नोटिस जारी कर उन्हें पूछताछ के लिए बुला सकती है। सांसद बर्क को पुलिस की जांच में सहयोग करना होगा कोर्ट ने कहा कि अगर पुलिस के नोटिस देने पर बयान दर्ज करने के लिए सांसद बर्क नहीं आएंगे और पुलिस की जांच में सहयोग नहीं करेंगे तभी उनकी गिरफ्तारी होगी। कोर्ट ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने आदेश पर अमल करने को कहा है। बता दें कि संभल में 24 नवंबर को मस्जिद सर्वे को लेकर भड़की हिंसा मामले में पुलिस ने सपा के स्थानीय सांसद जियाउर्रहमान बर्क को आरोपी नंबर एक बनाया है, उनके खिलाफ कई धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसके बाद सांसद बर्क ने एफआईआर को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी और एफआईआर रद्द किए जाने की गुहार लगाई थी। इस मामले पर जस्टिस राजीव गुप्ता और जस्टिस अजहर हुसैन इदरीसी की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई।

सांसद जियाउर्रहमान बर्क की तरफ से अधिवक्ता इमरान उल्लाह और सैयद इकबाल अहमद ने दलीलें पेश की और बताया कि जिस दिन हिंसा भड़की थी वो शहर में मौजूद नहीं थे। यूपी सरकार की तरफ से शासकीय अधिवक्ता एके संड ने पक्ष रखा।

45 किलो रुद्राक्ष की मालाओं का मुकुट पहन 12 घंटे तपस्या कर रहे गीतानंद गिरि, 12 साल का है संकल्प

प्रयागराज। महाकुंभ से पहले संगम की रेती पर साधु–संतों की विहंगम रूप देखने को मिल रहा है। इसी तरह सवा लाख रुद्राक्ष वाले बाबा के नाम से मशहूर गीतानंद गिरि महाराज अपने सिर पर 45 किलो रुद्राक्ष की मालाओं का मुकुट धारण कर हर दिन 12 घंटे तपस्या कर रहे हैं। उन्होंने सवा लाख रुद्राक्ष की माला धारण करने का संकल्प लिया था। बाबा ने दावा किया कि मौजूदा समय में उनके सिर पर सवा दो लाख रुद्राक्ष हो गया है। पंजाब के कोट का पुरा से गीतानंद गिरि श्री शंभू पंचदशनाम आवाहन अखाड़ा के नागा संन्यासी हैं। वह बताते हैं कि ढाई साल की उम्र में ही वह घर छोड़ दिए थे। उसके बाद से वह जप–तप कर रहे हैं। वह संन्यासी बनने के बाद संस्कृत विद्यालय से 10 वीं तक की पढ़ाई की। गीतानंद गिरि महाराज ने बताया कि अर्द्ध ा कुंभ 2019 में वह संगम त्रिवेणी को साक्षी मानकर 12 साल के लिए सिर पर सवा लाख रुद्राक्ष धारण करने का संकल्प लिया था। उनकी तपस्या के छह साल बीत चुके हैं। उनकी सिर पर रुद्राक्ष की मालाएं देखकर अब लोग भी उन्हें रुद्राक्ष की ही मालाएं भेंट करने लगे है। बाबा का दावा है कि लोगों के चढ़ावे की वजह से वर्तमान समय उनके सिर पर करीब सवा दो लाख रुद्राक्ष की मालाएं हो गईं हैं,

मथुराः अनियोजित रिहायस को रोकने में एमवीडीए के फूले हाथ पांव

–खेतों में बाउंड्री खींच बसाई जा रहीं कश्वलोनियां, नोटिस नोटिस खेल रहा एमवीडीए
–सड़कों के किनारे खेत दिखाई देना बंद हो गये हैं, खेतों में खडी बाउंड्री दिखती हैं

मथुरा। ब्रज रज उड मस्तक लगे मुक्ति मुक्त है जाए। ब्रज रज की महिमा का बखान सूर से रसखान तक ने किया है। अब यह बखान प्लाट और मकान की मार्केटिंग के लिए मुफीद साबित हो रहा है। हर कोई यहां बसने को आतुर है, या अपने लिए जमीन का एक टुकड़ा जरूर चाहता है जिससे वह खुद के ब्रजवासी होने का अहसास कर सके और प्रभु के करीब होने का भी। एक तरफ सरकार हेरिटेज सिटी बसाने जा रही है तो वहीं हरे भरे खेतों में बाउंड्री खींच कर दो चार बीघा जमीन को घरने के बाद उसमें कॉलोनी बसाने की बात कह कर बिना किसी बुनियादी सुविधा का ध्यान रखे और मानकों का की परवाह किये बिना धुआंध ाार प्लॉटिंग की जा रही है। इसका असर यह है हुआ है कि सडकों के किनारे अब खेत दिखना बंद हो गया है। खेतों में बाउंड्री खिंची दिखती हैं और किसी तरह से कृषि भूमि की घेराबंदी की जुगत भिडाते लोग आपको यहां वहां नजर आएंगे। हालांकि एमवीडीए और दूसरे जिम्मेदार विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है लेकिन यह कार्यवाही न केवल अपर्याप्त है बल्कि प्रभावी भी साबित नहीं हो रही है। यहां तक कि जिन अविकसित कॉलोनियों को एमवीडीए मानक विहीन बता कर बुल्डोजर कार्यवाही करता है, वहां कुछ सप्ताह या एक दो महीने बाद फिर काम शुरू हो जाता है। एमवीडीए के लिए यह कहावत चल निकली है कि प्रभावशाली लोग तो इस कार्यवाही को कार्यवाही ही नहीं मानते हैं। वीके अग्रवाल, शिव कुमार शर्मा, अनूप मिश्रा, सत्यपाल अरोड़ा मौजा रजवारी छाता गोवर्धन रोड पर दांई ओर (कृष्णा वाटिका कॉलोनी) छाता थाना छाता मथुरा पर लगभग पांच एकड़ भूमि पर बाउंड्रीवाल व रोड पर दुकानों का निर्माण करते हुए प्लॉटिंग का कार्य किया जा रहा था एमवीडीए ने इसे अवैध बताते हुए जेसीबी से तोड दिया है। वहीं संजीव झा आदि द्वारा दिल्ली आगरा हाइवे अकबरपुर से मथुरा की तरफ एचपी पेट्रोल पंप के पास मौजा अकबरपुर छाता थाना छाता मथुरा पर लगभग तीन बीघा भूमि पर प्लॉटिंग गई। अवैध कॉलोनियों के अन्तर्गत सड़क व बाउंड्रीवाल आदि का विकास कार्य करते हुए भूखंडों का विक्रय किए जाने पर प्राधिकरण द्वारा उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए निर्माणकर्ता को विकास कार्य बंद करते हुए अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी किए गए। निध ाारित अवधि में निर्माणकर्ता के उपस्थित न होने पर दोनों वादों में सक्षम प्राधिकारी द्वारा ध्वस्तीकरण आदेश पारित किए गए। सक्षम प्राधिकारी द्वारा पारित ध्वस्तीकरण आदेश के अनुपालन में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों को अवर अभियंता अनिल सिंघल, अवर अभियंता सुनील राजौरिया, प्रवर्तन दल एवं थाना छाता पुलिस बल की उपस्थिति में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। अवैध कॉलोनियों के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही सचिव, उपाध्यक्ष द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुसार निरंतर जारी रहेगी।

महाकुंभ में संदिग्ध विदेशी समेत बार–बार आतंकी धमकी मिलने पर खुफिया एजेंसी सक्रिय

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए खुफिया एजेंसी सतर्क हो गई है। आतंकी पन्नू की धमकी, संदिग्ध विदेशी और इंस्टग्राम से धमकी मिलने के बाद एलआईयू, आईबी समेत अन्य खुफिया एजेंसी अब मेला क्षेत्र में आने वाले हर किसी पर निगरानी रख रही है। पिछले 15 दिनों के भीतर कई धमकियां मिल चुकी है। सुरक्षा एजेंसी से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि महाकुंभ आयोजन पर केंद्र और राज्य सरकार इस पर नजर बनाए हुए हैं। रोजाना उच्च स्तरीय बैठक की जा रही है। महाकुंभ से जुड़े हर एक बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी जा रही है। ऐसे में एलआईयू, एटीएस समेत अन्य विंग के अधिकारी पूरी तरह से सक्रिय है। इंटेलिजेंस भी गोपनीय तरीके से अलग–अलग इलाकों की टोह लेने में जुट गई। वहीं, स्नान घाटों, शिविरों और मुख्य कार्यक्रम स्थलों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। सुरक्षा चेक प्वाइंट्स हर व्यक्ति की गहन जांच की जा रही है, ताकि कहीं किसी तरह की कोई घटना न होने पाए। वहीं, सुरक्षा को देखते हुए मेला क्षेत्र के आसपास के इलाकों में रहने वाले किरायेदारों व कर्मचारियों के सत्यापन का काम भी पुलिस ने तेज कर दिया गया है। दारागंज के साथ ही कीडगंज, अरैल व झूंसी में जिनका सत्यापन हो रहा उसका खुफिया एजेंसी गुपचुप तरीके से दोबारा सत्यापन कर रही है। ताकि किसी भी तरह की चूक न हो जाए। वहीं, खुफिया एजेंसी के पुलिस जवाव अपना हुलिया बदलकर भी संदिग्ध लोगों का रिकार्ड जुटा रहे हैं। बार–बार धमकियां मिलने से शक है कि किसी भी हुलिया में आतंकी घुसपैठ कर सकते हैं।

महाकुंभ से काशी आने वाले 10 करोड़ श्रद्धालुओं की सुरक्षा का खाका तैयार, जानें क्या है प्लान

वाराणसी। प्रयागराज महाकुंभ से काशी आने वाले करीब 10 करोड़ श्रद्धालुओं की सुरक्षा का खाका कमिश्नरेट की पुलिस ने खींच लिया है। इसके लिए अंतरजनपदीय सीमाओं पर 17 जगह अस्थायी पुलिस चौकी (चेकपोस्ट) बनाई जा रही है। प्रयागराज–वाराणसी रूट पर 24 घंटे डायल 112 के पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) गश्त करती रहेंगी। छोटे–बड़े वाहनों के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 14 अस्थायी पार्किंग बनाई गई है। भीड़ प्रबंधन के लिए शहर में 55 स्थान चिह्नित किए गए हैं। इन स्थानों पर बैरियर लगाए जाएंगे। इसी तरह श्री काशी विश्वनाथ धाम परिक्षेत्र को आठ जोन में बांटा गया है। 13 सेक्टर और 32 सब सेक्टर में विभाजित कर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि कमिश्नरेट के थानाध्यक्ष अपने सीमावर्ती जिलों के थानों से निरंतर समन्वय स्थापित करके श्रद्धालुओं की संख्या की जानकारी कंट्रोल रूम को देंगे। श्रद्धालुओं के रूट की निगरानी सीसी कैमरों से की जाएगी। महाकुंभ से आने वाले श्रद्धालु काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन करेंगे। इसलिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। रामनगर के पड़ाव चौराहा, रोहनिया थानाक्षेत्र के करसड़ा बॉर्डर, चोलापुर थाना क्षेत्र के नियारडीह व दानगंज, चौबेपुर थाना क्षेत्र के कैथी, सरसौल और मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के गुड़ियाध बिहड़ा, ठठराध्मैसा व बहेड़वा, कपसेठी थाना क्षेत्र के बहरीनाला व चोरघट्टा पुल, राजातालाब में कनकपुरध्कछवा, शहंशाहपुरध अदलपुरा व तिलंबा बॉर्डर, बड़ागांव थाना क्षेत्र के अनई बॉर्डर, फूलपुर थाना क्षेत्र के डिग्घी बॉर्डरध्लठिया कठिरांव, सिंधौरा थाना क्षेत्र का गड़खरा बॉर्डर।

सिविल लाइंस के एक कोचिंग संस्थान पर आयकर की दबिश

प्रयागराज। आयकर विभाग की टीम ने बृहस्पतिवार को सिविल लाइंस स्थित एक कोचिंग संस्थान पर छापा मारा। विभागीय टीम को देखते ही वहां अफरातफरी मच गई। इस दौरान टीम ने वहां तमाम दस्तावेज जब्त कर जांच शुरू की। कंप्यूटर आदि को खंगाला गया। बताया जा रहा है कि आयकर विभाग राजस्थान की सूचना पर विभागीय टीम की यह कार्रवाई जयपुर, जोधपुर, इंदौर, दिल्ली समेत कुछ अन्य शहरों में एक साथ हुई। प्रयागराज में कोचिंग की शाखा में दिन भर जांच चलती रही। बताया जा रहा है कि आयकर विभाग को जानकारी मिली थी कि कोचिंग संस्थान द्वारा इनकम कम दिखाई जा रही है। उक्त कोचिंग की देशभर में फैली तमाम शाखाओं में करोड़ों की आयकर चोरी का अनुमान लगाया गया। जांच में भी प्रथम दृ ष्टया साक्ष्य मिले हैं कि कोचिंग संस्थान द्वारा छात्रों से ली गई फीस को कम दिखाया जा रहा है। प्रयागराज के एडिशनल डायरेक्टर (जांच) अतुल पांडेय के निर्देश पर इनकम टैक्स की टीम ने कार्रवाई की है। टीम ने संस्थान के कंप्यूटर, लैपटॉप, रजिस्टर और अन्य दस्तावेज पहले कब्जे में लिए हैं। देर रात तक जांच प्रक्रिया चलती रही। इस दौरान वहां कार्यरत कुछ कर्मचारियों एवं सेंटर हेड से भी पूछताछ हुई। बताया जा रहा है कि जांच पूरी होने के बाद ही विधिक कार्रवाई की जाएगी। बता दें पिछले माह ही आयकर विभाग की टीम ने सिविल लाइंस और कर्नलगंज स्थित एक–एक नर्सिंग होम में सर्वे किया था। वह कार्रवाई 50 घंटे से अधिक समय तक चली थी, हालांकि उसकी जांच रिपोर्ट विभागीय टीम ने अभी तक जारी नहीं की है।

कड़ाके की ठंड में सरकारी अलाव नदारद

प्रयागराज। पहाड़ों में हो रही लगातार बर्फबारी का प्रभाव बुरी तरह से प्रयागराज में दो दिन पूर्व से दिखने लगा है। शुक्रवार के दिन पूरे समय तक सूर्य की किरणों के न दिखने

से यमुनापार के घूरपुर क्षेत्र में कड़ाके की गलन ने लोगों को हिला कर रख दिया। कड़ाके की ठंड के बाद भी स्थानीय प्रशासन की ओर से अभी तक किसी भी बाजार, कस्बे और चौराहे पर अलाव नहीं जलाए गए जिससे राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा। कड़ाके की ठंड में घूरपुर बाजार के हाईवे पर स्थित तेजस इंटरप्राइजेज के संचालक सचिन कुशवाहा, अर्शिया न किराना स्टोर के संचालक आसन और उनके सहयोगियों गुंडा, मो साजन उमशेद आदि ने लकड़ी एकत्र कर अलाव जलवाया। इस बीच राहगीरों ने भी ठंड से बचने के लिए अलाव से ठंड से राहत प्राप्त की।

गुड़, दाल, मेथी की दीवार ...नगर निगम की बिल्डिंग का जीर्णोद्धार

नगर निगम परिसर में 9 करोड़ रुपये की लागत से डेढ़ सौ साल पुरानी धरोहर का हो रहा कायाकल्प

महाकुम्भ 2025 से पहले ऐतिहासिक भवन बनकर होगा तैयार

नगर निगम के प्रयास से संगम नगरी को मिली एक और धरोहर

निर्माण सामग्री में किया जा रहा चूना, सुरखी, बालू, बेल गिरि, गुड़, उड़द की दाल, गुगुल और मेथी का प्रयोग

प्रयागराज, सनगर निगम रू बात जब प्रयागराज की हो तो जेहन में सांकृतिक धरोहर, कला और संस्कृति का नाम आता है । संगम नगरी में कई ऐसी एतिहासिक धरोहर हैं, जो शहर का मान बढ़ा रही हैं । जल्द ही इनमें नगर निगम परिसर स्थित भवन का नाम भी शामिल होगा, जिसके जीर्णोद्धार का कार्य प्रयागराज नगर निगम द्वारा करवाया जा रहा है । ब्रिटिशकाल में सन् 1865 के करीब संगम नगरी में बने सबसे पुराने 'ग्रेट नॉर्दर्न' होटल और बाद में नगर निगम कार्यालय में तब्दील इस 150 वर्ष से अधिक पुराने भवन का 9 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार करवाया जा रहा है । कायाकल्प के बाद प्रयागराजवासियों समेत महाकुंभ में आने वाले पर्यटक भी यह ऐतिहासिक भवन देख सकेंगे ।

इस ऐतिहासिक इमारत में पंडित जवाहरलाल नेहरू करते थे बैठक

1930 के दशक में ब्रिटिश सरकार ने इस भवन को प्रशासनिक भवन में तब्दील कर दिया था । इसी ऐतिहासिक इमारत में पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में 1925–27 के दौरान नगर परिषद की बैठकें होती थीं। प्रयागराज नगर निगम के मुख्य अभियंता सतीश कुमार ने बताया कि दिसंबर 2020 में नगर निगम के भवन में एक कमरे की छत गिर गई थी, जिसके बाद इस पूरे भवन को गिराकर नया भवन बनाने पर विचार किया गया था । इस डेढ़ सौ साल से अधिक पुराने भवन को गिराने से पहले पुरातत्व विभाग से राय ली गई । एएसआई, एमएनआईटी प्रयागराज और आईआईटी मुम्बई से इस भवन के विषय में परामर्श लिया गया। 2020–21 में एएसआई की रिपोर्ट आने के बाद नगर निगम की इस बिल्डिंग को धरोहर बताते हुए इसका संरक्षण करने की सलाह दी गई ।

हटाए गए सीमेंट के प्लास्टर, निकाले गए खिड़की–दरवाजे मुख्य अभियंता सतीश कुमार ने बताया कि 150 वर्ष पहले इस भवन का निर्माण ईको फ्रेंडली चीजों से करवाया गया था, इसलिए अब इसका कायाकल्प इन्हीं चीजों से करवाया जा रहा है । इस भवन में पहले मरम्मत के दौरान जो भी नई चीजें लगाई गई थीं, जैसे सीमेंट का प्लास्टर, फर्श की टाइलें, खिड़कियां–दरवाजें, उन्हें अब हटाया जा रहा है, ताकि भवन को असली स्वरूप में वापस लाया जा सके । इससे भवन का तापमान प्राकृतिक रूप से ठंडा रहेगा और गर्मी में भी एयर कंडीशनर का कम इस्तेमाल किया जाएगा । यह तरीका पर्यावरण के अनुकूल भी है, क्योंकि इसमें प्राकृतिक सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है । मुंबई की सवानी हेरिटेज जीर्णोद्धार का काम कर रही है, जो महाकुम्भ 2025 के पहले पूरा होने की उम्मीद है । इसके बाद इस भवन में 'फसॉड लाइटिंग' भी लगवाई जाएंगी । महाकुम्भ में आने वाले पर्यटक इस ऐतिहासिक भवन को एक नए कलेवर में देखेंगे ।

अलग–अलग राज्यों से मंगवाई जा रही है निर्माण सामग्री

नगर निगम के अवर अभियंता राम सक्सेना ने बताया कि नगर निगम के इस पुराने भवन का जीर्णोद्धार, पुराने जमाने में निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली सामग्री से किया जा रहा है । निर्माण सामग्री के लिए लाइम मध्य प्रदेश कटनी से और बाकी चीजें अलग–अलग राज्यों और लोकल मार्केट से मंगवाई जा रही हैं । सीमेंट बालू की जगह चूना, सुरखी, बालू, बेल गिरि, गुड़, उड़द की दाल, गुगुल और मेथी के मिश्रण से निर्माण सामग्री तैयार की जा रही है । इस बिल्डिंग के विषय में रोचक बात यह भी है कि एक समय में इसी बिल्डिंग में प्रयागराज म्यूजियम हुआ करता था । म्यूजियम से जुड़े साक्ष्य अब भी इस बिल्डिंग में मौजूद हैं ।

शहर की सुन्दरता को लगेंगे चार चाँद, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा महापौर श्री गणेश केसरवानी ने बताया कि प्रयागराज नगर निगम के इस भवन का निर्माण सन् 1865 के आस–पास लॉरीस नाम की कंपनी ने करवाया था और इसे 'ग्रेट नॉर्दर्न' होटल नाम दिया था । यह सिर्फ एक इमारत का जीर्णोद्धार नहीं, बल्कि शहर के इतिहास और संस्कृति का पुनर्जीवन है । नगर निगम का यह प्रयास न केवल शहर की सुंदरता में चार चांद लगाएगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा देगा । यह भवन प्रयागराज की धरोहर है, इसे संरक्षित रखने की पहल नगर निगम ने की है । महाकुम्भ से पहले इस भवन के जीर्णोद्धार का काम पूरा हो जाएगा । अपने नए रंग रूप में यह भवन पर्यटकों को आकर्षित करेगा ।

''ब्रह्मताल शीतकालीन ट्रैकिंग अभियान'' – 2024 में उत्तर प्रदेश से आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (रेलवे) का दल हुआ शामिल ।

लोहा जंगस'यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया" के तत्वाधान में ''ब्रह्मताल शीतकालीन ट्रैकिंग अभियान''– 2024 का आयोजन लोहाजंग उत्तराखंड में किया गया। इस 9 दिवसीय ट्रैकिंग कार्यक्रम में आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के 10 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने ट्रैकिंग दल को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन रेल कर्मियों के शारीरिक फिटनेस में सुधार, विषम परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता, आपसी सामंजस्य की भावना एवं मिलजुल कर कार्य करने की शैली विकसित करते हैं। पर्यावरण संरक्षण को प्रेरणा देने वाले ऐसे अभियान राष्ट्रीय एकता की दृष्टि में भी महत्वपूर्ण होते हैं। क्योंकि लोगों को विभिन्न संस्कृति एवं सामाजिक रीति रिवाजों से परिचित होने का आधार मिलता है। आरेडिका खेल कूद संघ के सहयोग से उत्तराखण्ड में पड़ने वाले ब्रह्मताल ट्रैकिंग में आरेडिका के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश से 23 दिसंबर को रायबरेली से चलकर 24 दिसंबर 2024 को लोहाजंग में रिपोर्टिंग की तथा 29 दिसम्बर को लोहागंज वापस आये। इस दल का नेतृत्व एवं पर्यवेक्षण अनुभवी ट्रैकर एवं आरेडिका के सीनियर सेक्शन इंजीनियर अमिय श्रीवास्तव ने किया। आरेडिका से गये समस्त 10 प्रतिभागियों ने कैंप में उपस्थित कैंप लीडर व उनके समस्त सहयोगियों के साथ मिलकर सामाजिक कार्य एवं पर्यावरण जागरूकता हेतु ट्रैकिंग अभियान के दौरान आस–पास के क्षेत्र को साफ करने का फैसला किया। सदस्यों ने कुल 37 किलोमीटर ट्रैक किया तथा 14000 फीट की ऊँचाई तक पहुँचे। इस ट्रैक में शामिल सदस्यों ने 24 घंटे लगातार भारी हिमपात में बिताकर तथा चलकर अपने ट्रैक को पूर्ण किया। इस ट्रैकिंग दल में प्रमुख रूप से प्रथम बार शामिल हुए अविनाश कुमार उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर ने सभी सदस्यों का मनोबल बनाए रखा। अन्य सदस्यों में त्रिलोचन अन्थवाल उप मुख्य सतर्कता अधिकारी, अनिल श्रीवास्तव जन संपर्क अधिकारी, राजीव रंजन सीनियर सेक्शन इंजीनियर, रोहित कुमार वरिष्ठ टेक्नीशियन, आदर्श कुमार आशुलिपिक, गौतम सागर आशुलिपिक, संगम यादव आशुलिपिक, आनंद प्रकाश सीनियर क्लर्क ने प्रतिनिधित्व किया। आरेडिका के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी आर. एन. तिवारी, शान–ए–अवध इकाई के चौयरमैन एस.एन. लाल एवं इकाई सचिव पंकज श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों को सफल ट्रेकिंग अभियान के लिए बधाई दी।

डग्गामार से डग्गेमारी, इनकी जरूरत उनकी हुकूमत

–हाईवे पर यातायात के लिए असुरक्षित डग्गामार वाहनों से हो रही अवैध वसूली

मथुरा। दिल्ली आगरा हाईवे पर मथुरा की सीमा में डग्गामार सवारी वाहनों की भरमार है। इसे लेकर गई बार रोडवेज कर्मचारियों

ने भी आवाज उठाई है लेकिन कार्यवाही हो नहीं पाती। इसकी बड़ी वजह इन डग्गामार से होने वाली अवैध वसूली है। हालांकि यह सब मिल कर यात्रियों की सुरक्षा पर भारी पड रहा है। मथुरा कोसीकला से हरियाणा की सीमा तक ऐसे वाहन तोडते हैं वहीं गोवर्धन चौराहा, मंडी चौराहा, टाउनशिप से आगरा और कोसीकला तक वाहन दौड़ रहे हैं। इनके न खडे होने की कोई समुचित व्यवस्था है और नहीं किराया वसूलने की कोई तय सीमा, सस्ती यात्रा का लालच गई बार यात्रियों को भारी भी पड़ रहा है। ये वाहन हाइवे पर हादसों का कारण भी बन रहे हैं और यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा भी। हालांकि इन्हें संचालित कराने के लिए भी एक पूरा रैकेट काम कर रहा है जो इनके खिलाफ कार्यवाही को रोता है या कार्यवाही के बाद फिर से उन्हें सड़क पर उतरने का हौसला देता है। इसकी ऐवज में इन डग्गामार वाहनों से मोटी रकम प्रति दिन व महीने के हिसाब से वसूली जाती है। यह रकम इन डग्गामार वाहन स्वामियों की कुल कमाई का 30 से 40 प्रतिशत तक होती है। वसूली करने वाले लोग प्रभावशाली किसी नेता या जनप्रतिनिधि के बेहद करीबी और खास होने का दावा करते हैं और डग्गामार वाहन चलाकों को किसी भी परेशानी से बचाने की गारंटी देते हैं। हालांकि पुलिस और दूसरे विभागों से भी यह सब छिपा नहीं है लेकिन सब छिपी नजरों से इसे अनदेखा करते हैं। वसूली के ऐवज में हाइवे पर वाहनों को खडा करवाने, उन्हें भरवाने और किसी भी कार्यवाही से इन्हें बचाने का वायदा किया जाता है।

'भाषा प्रहरी सम्मान' से हिंदी सेवी हुए सम्मानित

'साहित्य साधक मंच के कार्यक्रम में श्रोता हुए मंत्रमुग्ध'

'बेंगलुरू (शहर समता–डेस्क)। बेंगलुरु की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य साधक मंच का 209 वां मासिक सारस्वत कार्यक्रम राजस्थान के वरिष्ठ साहित्यकार श्री गोप कुमार मिश्रा की अध्यक्षता एवं इन्दौर के गीतकार श्री रत्न दीप खरे के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली की प्रसिद्ध कवयित्री रजनी गोयल जी ने मंच की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारम्भ पद्मा श्रीनिवासन वसुधा जी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वन्दना से हुआ तत्पश्चात लेफ्ट डॉ एम गीता श्री, डायरेक्टर ऐकडेमिक,बी एम एस महिला महाविद्यालय, डॉ किरण बी कामाजी, सहायक प्राध्यापक, न्यू होरिजन महाविद्यालय एवं डॉ क्षितिजा, सहायक प्राध्यापक एम एल ए अकादमी ऑफ हायर लर्निंग मल्लेस्वरम, बेंगलुरु को हिंदी के विकास एवं संरक्षण के क्षेत्र में किये गए उनके अमूल्य योगदान हेतु ष्भाषा प्रहरी सम्मानष से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें सर्व श्री गोप कुमार मिश्रा, रत्न दीप खरे, रजनीश गोयल, डॉ राम गोपाल भारतीय, प्रतीक्षा तिवारी, दीपक पांडेय, सुधा अहलूवालिया, उदय प्रताप सिंह, डा मंजू गुप्ता, उषा गुप्ता, लोकेश कुमार मिश्रा, रचना उनियाल, डा कविता पनिया, राधेश्याम यादव सुदर्शन, गीता चौबे गूंज, भूपेंद्र सिंह कटाक्ष, मृदुला सिंह चौहान, नारायण सिंह, अरुणा राणा, विनीता लवानिया, प्रवल प्रताप सिंह राणा, सुशील कुमार, चिदम्बर जोशी, सुधा दीक्षित, गिरिजा कुलश्रेष्ठ, राही राज, प्रीति राही, स्वेतलीना पांडा, बापूगौड़ा पाटिल, ईश्वर चंद्र मिश्र, सुरेंदर कोहली सूरी, पूनम एस बेलानी, अंजू भारती, स्वीटी सिंघल, टी आर वरदराजन, मोहम्मद फजल, वसीम झिनझिनावी, पद्मा श्रीनिवासन, रघुबीर अग्रवाल और ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर १२ वर्षीय अनुकांश तिवारी को उसके प्रथम पुस्तक के प्रकाशन पर पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रोता गण एवं काव्य प्रेमी उपस्थित थे। सञ्चालन मंच के अध्यक्ष ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने किया। ज्ञानचंद मर्मज्ञ (9845320295) ने बताया कि वे 19 वर्ष से निरन्तर इस कार्यक्रम को आयोजित कर रहे हैं और बेंगलुरु पधारने वाले सभी साहित्यकारों को सादर आमंत्रित करते हैं, शहर समता टीम ने भी इस उत्कृष्ट आयोजन की बधाइयाँ प्रेषित की हैं।

लोकपाल मनरेगा की जन सुनवाई में दोनई ग्राम के भ्रष्टाचार की हुई शिकायत

लोनी नदी पुनरोद्वार कार्य से रूबरू होंगे लोकपाल

4 जनवरी झींगुर जायेंगे लोकपाल

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जनसुनवाई में बाबा बेलखरनाथ धाम ब्लाक के ग्राम दोनई से ग्राम में ग्राम विकास योजनाओ में भ्रष्टाचार की शिकायत प्रस्तुत हुई। लोकपाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अति शीघ्र ग्राम में आकर मामले का स्थलीय निरीक्षण कर समस्याओ का समाधान करने का निर्णय लिया। वहीं लोकपाल ने मनरेगा द्वारा हो रहे लोनी नदी के कार्यो का 4 व 5 जनवरी को स्थलीय भ्रमण कर निरीक्षण करने का निर्णय लिया।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा अपेक्षित बाबागंज ब्लाक के झींगुर ग्राम में वित्तीय अनीयमितता की जांच 4 जनवरी को लोकपाल समाज शेखर करेंगे। उन्होंने संबंधित ग्राम के सभी ग्राम स्तरीय मनरेगा कर्मियों को उपस्थित रहकर सहयोग करने का निर्देश बी डी ओ को दिया है। साथ ही ग्राम सभा की आवश्यक बैठक की भी अपेक्षा की है। लोकपाल की जनसुनवाई में गौरा ब्लाक के पूरे राम सहाय, सांगीपुर ब्लाक के और लक्ष्मणपुर के चमरुपुर शुक्लान की प्रगति आख्या संबंधित प्रतिनिधियों व कर्मचारियो से प्राप्त की गई।

चौक में भी अब पब्लिक टॉयलेट, महापौर ने शहर में चार शौचालय का किया उद्घाटन

प्रयागराज, । दिव्य, भव्य और स्वच्छ महाकुंभ–2025 की परिकल्पना को साकार रूप देने के लिए प्रयागराज नगर निगम लगातार प्रयास कर रहा है। शहर को नया रूप देने के साथ ही रात–दिन सफाई अभियान जारी है। इसी कड़ी में गुरुवार 2 जनवरी को महापौर श्री गणेश केसरवानी जी ने चार नए शौचालयों का उद्घाटन किया है। इसमें लूकरगंज, चौक, बलुआघाट और कटरा क्षेत्र शामिल है। इसका सबसे बड़ा फायदा चौक क्षेत्र में लोगों को मिलेगा, जो लंबे समय से पब्लिक टॉयलेट की मांग कर रहे थे। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लूकरगंज के वार्ड–28 में मछली मंडी, चौक के वार्ड–95 में केसर विद्यापीठ के पास, बलुआघाट में सत्तीचौरा और कटरा में पानी की टंकी के पास नए शौचालय बनाए गए हैं।

उद्घाटन समारोह में पार्षद श्रीमती सुनीता दरबारी, पार्षद श्री नेम यादव, पार्षद श्री विद्या द्विवेदी, पार्षद श्रीमती सोनिया अग्रवाल सहित नगर निगम के अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। फिलहाल शहर भर में 226 कम्युनिटी पब्लिक टॉयलेट हैं। इनमें से 84 टॉयलेट्स की देखरेख की जिम्मेदारी नगर निगम ने प्राइवेट एजेंसियों को दी है। जबकि 42 कम्युनिटी–पब्लिक टॉयलेट के रखरखाव और साफ–सफाई का जिम्मा डूडा के हवाले है। महापौर श्री गणेश केसरवानी ने बताया कि सभी शौचालयों की सफाई के लिए अतिरिक्त मजदूर लगाए गए हैं। इसके साथ ही पुराने शौचालयों की मरम्मत और नवीनीकरण का कार्य पूरा हो चुका है। कई स्थानों पर शौचालयों की दीवारों पर पेंटिंग कराकर उन्हें स्वच्छ और सुंदर रूप दिया गया है। महाकुम्भ के मद्देनजर स्पेशल टॉयलेट भी बनवाए गए हैं। महाकुम्भ के दौरान शहर भर के मुख्य मार्गों किनारे 96 मोबाइल टॉयलेट लगाए जाएंगे।

गोवर्धन क्षेत्र में कार ने अश्टो में मारी टक्कर, पांच घायल

–गोवर्धन परिक्रमा लगाने जा रहे थे कार सवार

मथुरा। गोवर्धन रोड गांव आर्डिंग के समीप कौहरे के कारण टेंपो एवं कार आपस में भिड़ गईं। शुक्रवार की सुबह घना कोहरा था। हादसे में पांच घायल घायल हो गये जिन्हें उपचार के लिए

अस्पताल में भर्ती कराया गया, खबर लिखे जाने तक तीन की हालत चिंता जनक बताई जा रही थी। सड़क हादसा मथुरा गोवर्धन मार्ग बाईपास पर हुआ। शुक्रवार की सुबह एक्सयूवी कार सवार आगरा से गोवर्धन परिक्रमा करने जा रहे थे। जैसे ही कार अडींग बाईपास के समीप पहुंची तो घने कोहरे के कारण गोवर्धन से आ रहे टेंपो से जा टकराई। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद अडींग पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। घायलों को पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सरकारी अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना के बाद यात्रियों में कोहराम मच गया। यात्रियों का शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण घटना स्थल की ओर दौड़े। ग्रामीणों ने देखा कि ऑटो में कई सवारी अभी भी फंसी थीं। ग्रामीणों की मदद से सभी को बाहर निकाला गया। जिसमें तीन लोगों को जिला अस्पताल में मथुरा में भर्ती कराया और बाकी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन भेजा गया।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर । शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी जनवरी माह की नव वर्ष और मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना , मुख्य अतिथि छाया त्रिवेदी,विशिष्ट अतिथि अर्चना मलैया डा.राजलक्ष्मी शिवहरे विशिष्ट अतिथि चंद्र प्रकाश वैश्य सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अनीता दुबे द्वारा । काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ द्वारा। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। कृष्णा राजपूत, जय श्रीकांत ,मंजूषा किंजवडकर, राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, गायत्री चौबेअर्चना द्विवेदी, रश्मि पांडे, आरती शर्मा, कृष्णा राजपूत, रेखा चौधरी ,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, आरती श्रीवास्तव डा. कुमकुम शुक्ला ,शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन छाया सक्सेना प्रभु ने किया।

मुठभेड़ः एक ही रात में दो स्थानों पर पुलिस से भिड़े बदमाश

–अलग अलग स्थानों पर मुठभेड़ के बाद तीन बदमाश गिरफ्तार

मथुरा। जनपद में पुलिस और बदमाशों की भिड़ंत का सिलसिला रूक नहीं रहा है। आए दिन पुलिस के साथ बदमाशों की मुठभेड़ हो रही है। गुरुवार की रात को मथुरा जनपद में दो स्थानों पर पुलिस के साथ बदमाशों की मुठभेड़ हुई। जिसमें गोली

लगने से दो बदमाश घायल हो गये जबकि कुछ तीन बदमाशों को पुलिस ने इस दौरान गिरफ्तार किया है। थाना जैत पुलिस ने मोबाइल व मोटरसाइकिल छीनने व चोरी करने वाले दो अभियुक्तों विनोद उर्फ सोनू पुत्र लाखन उर्फ लक्खो निवासी ग्राम नाहरा थाना बरसाना व रितिक पुत्र छीतो निवासी ग्राम बरौठ थाना नौहझील को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस के साथ चोरों की मुठभेड़ देवी आटस रोड से भरतीया गांव जाने वाले बम्बे के किनारे वाले रास्ता पर हुई। पुलिस की गोली लगने से विनोद घायल हो गया। जबकि उसके साथी को पुलिस ने दौड़कर पकड़ लिया। इनके कब्जे से चोरी के 11 मोबाइल फोन, चार मोटरसाइकिल, एक तमंचा, दो खोखा कारतूस व दो जिन्दा कारतूस बरामद हुए हैं। विनोद के खिलाफ जैंत, राया व वृंदावन थानों में आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस की दूसरी मुठभेड़ थाना कोसीकला पुलिस टीम की हुई। कार्यवाही में एक अन्तर्राज्यीय शातिर मोटरसाइकिल चोर को पुलिस ने मुठभेड के बाद गिरफ्तार कर लिया। न्यू कोसी कामर रोड पर पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ के बाद सरफराज पुत्र ताहिर निवासी खेडला थाना पुन्हाना जिला नूँह हरियाणा को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस की गोली लगने से सरफराज घायल हो गया।

सम्पादकीय.......

चुनौतियां बेशुमार

यूं तो नया या पुराना साल एक समय चक्र मात्र है और देश के सामने समस्याएं व चुनौतियां हर दौर में रही हैं। लेकिन हम समय की एक इकाई में अपनी समस्याओं को दूर करने के लक्ष्य निर्धारित कर निराकरण का प्रयास करते हैं। कमोबेश वर्ष 2025 को लेकर भी यही स्थिति रहने वाली हैं। हालांकि महंगाई, बेरोजगारी तथा गरीबी सर्वकालिक व सर्वदेशीय समस्याएं रही हैं, फर्क है तो यही कि सत्ताधीश इन चुनौतियों का मुकाबला कैसे करते हैं। जैसे–जैसे बीता साल पूर्णता की ओर बढ़ रहा था, देश को लेकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में कुछ सकारात्मक तो कुछ चिंता बढ़ाने वाली खबरें वातावरण में तैर रही थीं। हालांकि, बांग्लादेश का राजनीतिक घटनाक्रम व अल्पसंख्यकों पर ज्यादती की खबरें विचलित करने वाली थी। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बांग्लादेश में जिस सत्ताधीश के विरोध में सत्ता पलट हुआ,उस सत्ता की सूत्रधार को भारत ने शरण दी। दरअसल, भारतीय उपमहाद्वीप के देशों में तार्किक के बजाय भावनात्मक मुद्दे राजनीतिक विमर्श पर हावी रहे हैं। हालांकि, अच्छी बात यह है कि दशकों से जारी एलएसी विवाद सिमटता नजर आया। जिससे चीन से बिगड़े रिश्ते पटरी पर आने की उम्मीद जगी। जिसके मूल में अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम भी है, लेकिन सुखद है कि एशिया की बड़ी महाशक्ति से संबंधों में सुधार आया। बाकी इस माह डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद भारत की विदेश नीति दशा–दिशा तय करती नजर आएगी। जहां तक देश के घरेलू मोर्चे का सवाल है तो आर्थिक सुस्ती सत्ताधीशों की चिंताओं का विषय होनी चाहिए। वर्ष 2024–25 की दूसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर 5.4 फीसदी रहना चिंता का सबब बनी, क्योंकि यह विकास दर पिछली सात तिमाहियों के सबसे निचले स्तर पर है। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बीता वर्ष आम चुनावों व कई बड़े राज्यों में चुनाव का साल था, जिसमें भारी मात्रा में अनुत्पादक सरकारी खर्च हुआ है। जो कहीं न कहीं देश की विकास दर को प्रभावित करता है। बहरहाल, इसके बावजूद केंद्र सरकार विकास दर व मंदी की आहट को लेकर चिंतित नजर नहीं आती तो उसकी वजह है कि भारत की यह विकास दर भी दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से अधिक है। आर्थिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि वर्ष 2024–25 की तीसरी व चौथी तिमाही में विकास दर के तेज रहने के आसार हैं। जैसा कि केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि आगामी वित्तीय वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर 6.6 फीसदी रहेगी। जिसके आधार पर विभिन्न रेटिंग एजेंसियां व आईएमएफ अनुमान लगा रहा है कि इस साल भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। लेकिन यह विचारणीय प्रश्न यह है कि कुलांचें भरते शेयर बाजार और बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करते देश में एक आम आदमी के जीवन में धनात्मक वृद्धि नजर क्यों नहीं आ रही है? सवाल यह भी है कि यदि देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के दावे किए जा रहे हैं तो क्या देश में गरीबी, कुपोषण, असमानता की समस्या खत्म हो रही है? क्या स्वास्थ्य सेवाओं में अपेक्षित सुधार हो रहा है? सवाल यह भी कि क्या पर्याप्त रोजगार के अभाव में होने वाला विकास तार्किकता की कसौटी पर खरा उतर रहा है? क्यों शहरी व ग्रामीण बेरोजगारी दर में इजाफा हो रहा है? आखिर क्यों राजनीतिक लाभ–हानि के गणित से परे संवेदनशील ढंग से बेरोजगारी की समस्या के समाधान के गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते? जब हम यह कहते नहीं थकते कि देश दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश है तो क्या हम इन युवा हाथों को उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध करा पा रहे हैं? आखिर क्यों देश में युवाओं का तेजी से पलायन हो रहा है? क्यों वे छोटी–मोटी नौकरियों के लिये विदेश जाने की होड़ में लगे हैं? क्यों अपनी योग्यता से कम की नौकरी करने को मजबूर हैं? देश के नेताओं को गाल बजाने की बजाय आम आदमी को परेशान करने वाली कृत्रिम महंगाई, सामाजिक असुरक्षा तथा बेरोजगारी जैसे मुद्दों से निबटने के लिये दूरगामी नीतियों के क्रियान्वयन के प्रयास करने चाहिए।

आर्थिक चुनौतियों का होगा नया साल

डॉ. दीपक पाचपोर

साग–सब्जियों से लेकर खाने–पीने की वस्तुएं तथा तमाम उपभोक्ता सामग्रियां लगातार महंगी होती जा रही हैं। कोई भी ऐसा महीना नहीं आता जिसमें किसी भी वस्तु के दाम घटने की खबर मिलती हो।

बुधवार को जिस 2025 का आगाज हुआ है उसमें अनेक तरह की आर्थिक चुनौतियां होंगी। जिस तरह से महंगाई बढ़ी है तथा केन्द्र सरकार के पास उसे कम करने व लोगों को रोजगार देने की कोई ठोस योजना नहीं है, उससे साफ है कि आमजन के लिये यह साल पहले से कहीं अधिक कष्टप्रद होगा। वर्ष 2024 के आखिरी दिन कांग्रेस ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के जो आंकड़े उद्धृत किये हैं, वे भारतीय अर्थव्यवस्था की भयावह तस्वीर पेश करने के लिये काफी हैं। कहने को तो ये आंकड़े गोल्ड लोन लेकर अथवा गहने गिरवी रख या बेचकर घर चलाने के सम्बन्ध में हैं, जिसे एक तरह से सीमित विषय पर केन्द्रित कहा जा सकता है, परन्तु देश की जो सामाजिक व्यवस्था है उसमें घर खर्च चलाने के लिये सोना गिरवी रखना अथवा बेचना आम आदमी का अंतिम उपाय माना जाता है। ऐसा करना लोगों की बदहाली व मजबूरी का द्योतक है। असली बात यह है कि ऐसी तमाम परिस्थितियों को सिरे से खारिज करने की आदी भारतीय जनता पार्टी की सरकार यह नहीं बतलाती कि वह जनता को इस हालत से बाहर निकालने के लिये क्या करने जा रही है। कांग्रेस ने मंगलवार को आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि देश की अर्थव्यवस्था डांवाडोल है। लोगों के पास कमाई के साधन नहीं हैं और उन्हें घर चलाने के लिये गहने गिरवी रखकर कर्ज लेना पड़ रहा है। इसके बाद भी स्थिति सुधर नहीं रही। वे कर्ज नहीं चुका पा रहे हैं। बकौल कांग्रेस, आरबीआई ने जो तथ्य दिये हैं उनमें प्रमुख हैं–गोल्ड लोन के डिफाल्टर के मामले मार्च 2024 से जून 2024 तक 30 फीसदी बढ़ गये, कमर्शियल बैंकों में डिफाल्टर मामलों में 62 प्रतिशत का इजाफा तथा बीते वर्ष के पहले 7 महीनों में कर्ज लेने के मामलों में 50 प्रश की वृद्धि। कांग्रेस की इस बात में दम है कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आम जनता की परेशानियों से कोई फर्क नहीं पड़ रहा। वे देश की अर्थव्यवस्था को सम्भालने में पूरी तरह से नाकाम हो चुके हैं।इसमें कोई शक नहीं कि सोना गिरवी रखना या बेचना माली हालत का सबसे बड़ा सूचकांक माना जाता है– फिर वह चाहे व्यक्ति हो या देश। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि देश की हालत बहुत खराब है। मुल्क की जो स्थिति हैं वह साफ बतला रही है कि यदि लोगों को सोना बेचना पड़ रहा है या वे उसे गिरवी रखकर घर का खर्च चला रहे हैं तो इसका अर्थ है कि उनकी आमदनी काफी घटी है। दूसरे, महंगाई का जो आलम है वह भी सर्वत्र दिख पड़ता है। साग–सब्जियों से लेकर खाने–पीने की वस्तुएं तथा तमाम उपभोक्ता सामग्रियां लगातार महंगी होती जा रही हैं। कोई भी ऐसा महीना नहीं आता जिसमें किसी भी वस्तु के दाम घटने की खबर मिलती हो। ऊपर से, तमाम तरह की सामग्रियां, सेवाएं या उत्पाद जीएसटी के दायरे में लाई जा चुकी हैं, और जो नहीं लाई गयी थीं, वे भी लाई जा रही हैं। यहां तक कि बहुत बुनियादी जरूरतों की सामग्रियों या सेवाएं तक लगातार महंगी होती जा रही हैं, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, दवाएं, पेट्रोल–डीजल, रसोई गैस आदि शामिल हैं। यहां तक कि किसानों के लिये जरूरी कृषि उपयोगी वस्तुएं, उपकरण, खाद आदि सभी कुछ महंगा होता जा रहा है। वैसे भी मोदी सरकार का सारा ध्यान और अनुराग उच्च वर्गों के लिये हैं। सामान्य दर्जे की ट्रेनों की बजाये उसकी दिलचस्पी महंगी ट्रेनें (वंदे भारत, बुलेट ट्रेन आदि) चलाने में हैं। लोगों की जेब पर जिस तरह से बोझ बढ़ता जा रहा है उनके पास सोना गिरवी रखने या बेचने के अलावा और कोई उपाय नहीं रह जाता। हर किसी के पास इतनी जमा–पूंजी नहीं रहती कि वह वर्षों तक महंगाई को झेल सके। न ही हर किसी के पास जमीनें होती हैं। मकान सभी के लिये जरूरी होता है पर पाया गया है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान जनजीवन जैसा महंगा हुआ है, लोग मकान बेचकर छोटे शहरों या सस्ते आवासों वाली बस्तियों में जा रहे हैं। घरों में थोड़ा–बहुत सोना रखने का रिवाज होता है लेकिन इन दिनों यह कोई मकान बनाने, हारी–बीमारी अथवा शादी–ब्याह के लिये नहीं बेचा या गिरवी रखा जा रहा है बल्कि ऐसा दैनंदिन खर्च चलाने के लिये हो रहा है। ऋण भुगतान की किश्तें भरनी कठिन हो गयी हैं। लोग तेजी से डिफाल्टर होते जा रहे हैं। नवम्बर 2016 में जब मोदी ने एक सनकपूर्ण और गलत निर्णय के अंतर्गत नोटबन्दी कर दी थी, तभी हाल ही में दिवंगत हुए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भविष्यवाणी कर दी थी कि इससे भारत की इकानॉमी तबाह हो जायेगी। वैसा ही हुआ। रही–सही कसर कोरोना ने पूरी कर दी जिसमें लोगों की जमा–पूंजी तो स्वाहा हुई ही, बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हुए। सामान्य जनता की स्थिति इसलिये भी दयनीय हो गयी है क्योंकि भारत सरकार के पास लोगों के सशक्तिकरण की योजना ही नहीं हैं। हर वर्ष दो करोड़ लोगों को रोजगार देने तथा किसानों की आय दोगुना करने का वादा करने वाली सरकार नयी भर्तियां करना तो दूर रिक्त पद तक नहीं भर पा रही है। मोदी पिछले लोकसभा चुनाव में यह कहकर जनता को डरा रहे थे कि श्यदि कांग्रेस सत्ता में आयी तो वह लोगों के गहने अल्पसंख्यकों को दे देगी। उनका वह कहना तो ध्रुवीकरण की चाल थी, लेकिन आज उनकी सरकार ही गरीबों के गहने छीन रही है।

खोखलेपन से बचा रहे नया साल

सर्वमित्रा सुरजन

खुशी का कोई पैमाना नहीं होता। कोई इंसान एक छोटे से घर में सीमित सामान के साथ भी खुश रह सकता है और किसी को 27 मंजिला घर या देश की आधी से अधिक संपत्ति हासिल करने के बाद भी कुछ और मिल जाए, ऐसी चाह रहती है। हालांकि आम इंसान के लिए तो खुशियां तभी अंतहीन हो सकती हैं, जब उसे रोजमर्रा की जरूरतों के लिए जूझना न पड़े। नौकरी पर तलवार लटकती न दिखे, बच्चों को पढ़ने और खेलने के पूरे मौके मिलें। नए साल की शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट अंग्रेजी में लिखी है, जिसका अनुवाद है– 2025 की शुभकामनाएं, यह वर्ष सभी के लिए अवसर, सफलता और अंतहीन खुशियां लेकर आए। सभी को अच्छी सेहत और समृद्धि का आशीर्वाद मिले। लोकसभा चुनावों के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक साक्षात्कार में कहा था कि वे खुद में दैवीय अंश महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि वे सामान्य लोगों की तरह जैविक गुण नहीं बल्कि अलौकिक शक्तियों से संपन्न हैं। ऐसा दावा करने का मनोबल उन्हें लगातार सत्ता में बने रहने से मिला, या किसी और वजह से, यह तो पता नहीं। लेकिन नए साल पर उनके शुभकामना संदेश को देखने से ऐसा ही लगता है कि वे खुद में अगर भगवान का अंश देखते हैं, तो उसी रौ में वे देश को भगवान भरोसे छोड़कर ही सत्ता पर बैठे हुए हैं। लोगों के जीवन में सुख, समृद्धि, सेहत बनी रहे, ऐसी शुभकामना देने में कोई हर्ज नहीं है। सवाल यह है कि क्या केवल किसी के कह देने से ये सारी बातें जीवन में सच हो जाएंगी। नए साल पर दुनिया भर के लोग अपने–अपने ईश्वरों को याद करते हैं। अपने देश में भी साल के पहले दिन मंदिरों में भीड़ उमड़ी रही। लोगों ने पूरे साल के अच्छे से गुजरने, नौकरी मिलने, परीक्षा में सफलता मिलने, बीमारी के इलाज की या इसी तरह की अन्य ख्वाहिशों के पूरा होने की प्रार्थना की होगी। हर साल ऐसा ही होता है। मगर क्या इससे सबकी कामनाएं पूरी हो जाती हैं। ईश्वर किस तरह से आशीर्वाद देता है, ये कोई नहीं बता सकता। लेकिन जिन शुभकामनाओं को श्री मोदी ने अपने ट्वीट में व्यक्त किया है, वे तभी पूरी होंगी, जब सरकारें उस दिशा में काम करेंगी। खुशी का कोई पैमाना नहीं होता। कोई इंसान एक छोटे से घर में सीमित सामान के साथ भी खुश रह सकता है और किसी को 27 मंजिला घर या देश की आधी से अधिक संपत्ति हासिल करने के बाद भी कुछ और मिल जाए, ऐसी चाह रहती है। हालांकि आम इंसान के लिए तो खुशियां तभी अंतहीन हो सकती हैं, जब उसे रोजमर्रा की जरूरतों के लिए जूझना न पड़े। नौकरी पर तलवार लटकती न दिखे, बच्चों को पढ़ने और खेलने के पूरे मौके मिलें, युवाओं को बेरोजगार होने या सिफारिश अथवा बेईमानी से दूसरों को आगे निकलते देखने पर कुंठा का शिकार न होना पड़े, बुजुर्गों को जीवन के उत्तरार्द्ध में पहुंचकर भी सम्मान के साथ जीने मिले, स्त्रियां खुद को हर लिहाज से सुरक्षित महसूस करें, किसानों पर बेचारगी का ठप्पा लगाए बिना उन्हें उनका हक दिया जाए, जाति–धर्म–लिंग–धन सबका भेदभाव खत्म हो जाए। ऐसी आदर्श जिंदगी भारत के नागरिकों के हिस्से में आए, इसी उद्देश्य से संविधान की रचना की गई थी। संविधान निर्माता जानते थे कि ऐसा होने में वक्त लगेगा, लेकिन जिंदगी को बेहतर बनाने की प्रक्रिया चलती रहनी चाहिए, इसलिए कल्याणकारी राज्य की अवधारणा की गई और सरकारों को लोकतांत्रिक होने के साथ जनकल्याण के लिए फैसले लेने की राह दिखाई गई। इस राह पर चलने में किसी सरकार को शत प्रतिशत सफलता नहीं मिली। लेकिन इससे हटने की न किसी ने चेष्टा की, न ऐसा बड़बोलापन दिखाया कि अब तक जो नहीं हुआ, वो हमने कर दिखाया। मगर पिछले दस सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने ऐसा दुस्साहस किया और उसमें देश को जो नुकसान हुआ है, उस पर अफसोस दिखाने की जहमत भी नहीं उठाई जा रही है। साल 2014 में युवाओं को दो करोड़ नौकरियां हर साल देने का वादा किया गया था, साल 2024 के आखिरी में युवाओं को पर्चा लीक की शिकायत पर लाठियां खानी पड़ी। साल 2014 में किसानों से वादा था कि 2022 तक उनकी आय दोगुनी हो जाएगी, साल 2024 खत्म हो गया लेकिन किसानों को अब भी अपने हक के लिए सड़क पर बैठना पड़ रहा है। पिछले साल चुनावों में भाजपा के लिए वोट मांगते–मांगते नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को डराया कि कांग्रेस सरकार आई तो आपके मंगलसूत्र चुरा लेगी, अब पता चल रहा है कि सामान्य जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को अपने गहने, सोना गिरवी रखने पड़ रहे हैं। देश किस हाल में चल रहा है, ये उसके कुछ उदाहरण मात्र हैं। आम जनता बेहद पीड़ा, तकलीफों से गुजरती हुई, कठिन हालात का सामना करती हुई जीवन गुजार रही है और प्रधानमंत्री के शुभकामना संदेश में इन पर आश्वस्ति के दो बोल भी नहीं हैं। केवल आभासी बातों से नए साल गुजारने के संकेत उन्होंने दिए हैं। वैसे उनसे इससे ज्यादा उम्मीद भी क्या की जाए। जब डेढ़ साल से तबाह हो गए मणिपुर पर वे चुप लगाकर बैठे हैं और वहां के लोग किस हाल में हैं, ये जानने के लिए वे मणिपुर अब तक नहीं गए हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह भी प्रधानमंत्री मोदी के ही नक्शे कदमों पर चल रहे हैं। नए साल पर उन्होंने भी एक संदेश अपनी जनता के नाम दिया है। उन्होंने राज्य के लोगों से माफी मांगी और मई 2023 से अब तक राज्य में हुई जातीय हिंसा के लिए खेद जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्यह पूरा साल बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। मुझे अफसोस है और मैं राज्य की जनता से कहना चाहता हूं कि पिछले 3 मई से आज तक जो कुछ हो रहा है, उसके लिए मैं राज्य की जनता से माफी मांगना चाहता हूं। तमाम लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे सचमुच अफसोस हो रहा है। मैं माफी मांगना चाहूंगा।श मुख्यमंत्री ने कहा– श्अब, मुझे उम्मीद है कि नए साल 2025 के साथ, राज्य में सामान्य स्थिति और शांति बहाल हो जाएगी। मैं राज्य के सभी समुदायों से अपील करता हूं कि जो भी हो, जो हुआ, सो हुआ। हमें अब पिछली गलतियों को भूलना होगा और एक शांतिपूर्ण मणिपुर, एक समृद्ध मणिपुर के लिए एक नया जीवन शुरू करना होगा। कितना आसान है इस तरह का खेद प्रकट करना और नए सिरे से सब कुछ शुरु करने की नसीहत देना। याद कीजिए कि गोधरा कांड के 9 साल बाद सितंबर 2011 में अपने जन्मदिन से शुरु करके नरेन्द्र मोदी ने तीन दिन का सद्भावना उपवास रखा था। लेकिन क्या इससे गुजरात में हिंदू–मुसलमान के बीच बनी खाई पाटी जा सकी। क्या बिल्किस बानो को फिर भी इंसाफ के लिए लंबी लड़ाई नहीं लड़नी पड़ी। तब नरेन्द्र मोदी ने इस्तीफा नहीं दिया था, अटल जी की सलाह पर राजधर्म का पालन नहीं किया था। अब बीरेन सिंह इस्तीफा नहीं दे रहे, उन्होंने केवल इसका दिखावा किया था। उन्हें राजधर्म के पालन की सलाह भी नहीं दी जा रही। अब वे सैकड़ों निर्दोष जानों की अकाल मौत पर अफसोस जता रहे हैं और कह रहे हैं कि जो हुआ सो हुआ। लेकिन क्या उनके कहने से उन लोगों के जीवन का खालीपन भरेगा, जिनके अपनों को बेमौत मारा गया। कुकी और मैतेई समुदायों के बीच अविश्वास की गहरी खाई क्या एक औपचारिक संदेश से भर जाएगी। जहां एक राज्य के भीतर दो समुदायों के बीच सीमा रेखा खींच दी गई हो, क्या वो लकीर मुख्यमंत्री मिटा पाएंगे। क्या उन महिलाओं को इंसाफ मिलेगा, जिन्हें बलात्कार और निर्वस्त्र जुलूस निकालने के पैशाचिक अत्याचार को सहना पड़ा। जाहिर है ऐसा कुछ नहीं होगा और जैसे सद्भावना उपवास का खोखलापन अब और विद्रुपता के साथ नजर आ रहा है, वैसा ही खोखला बीरेन सिंह का अफसोस भी है। अगर मणिपुर को लेकर भाजपा वाकई चिंतित और परेशान है तो अब तक बीरेन सिंह अपने पद को छोड़ चुके होते या कम से कम प्रधानमंत्री मोदी से यह कहने की हिम्मत दिखाते कि आप एक बार मणिपुर आकर लोगों को सांत्वना दें। वैसे श्री मोदी ने एक ट्वीट बीरेन सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाओं का भी किया है।

2025 में होगा अति–दक्षिणपंथी विश्व राजनीति के नये युग का आरंभ

नित्य चक्रवर्ती

वर्ष 2025 में संयुक्त राज्य अमेरिका की सत्ता में आने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके सहयोगी सलाहकार, दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क के नेतृत्व में अति–दक्षिणपंथी वैश्विक राजनीति के उभार का एक नया युग देखने को मिलेगा। यह ट्रम्प के ब्रांड को टेस्ला के सीईओ के बड़े पैसे और तकनीकी कौशल के साथ मिलाने वाला एक अनूठा संयोजन होगा। अमेरिका के इतिहास में पहले कभी ऐसा शक्तिशाली संयोजन नहीं आया, जो मध्यमार्गी, उदारवादी और वामपंथी शासन और विचारों को चुनौती दे रहा हो। डोनाल्ड ट्रम्प के पास पहले से ही यूरोप और लैटिन अमेरिका के कई देशों में उनके रोल मॉडल हैं। अब ट्रम्प मॉडल को यूरोप के देशों पर एलन मस्क के फंड और ट्रम्प समर्थक दक्षिणपंथी ताकतों को बड़ी वित्तीय सहायता के माध्यम से लागू किया जा रहा है। 2025 में लक्ष्य जर्मनी में 23 फरवरी को और फ्रांस में जुलाई 2025 में होने वाले आम चुनाव हैं। केनेडा में इस साल 20 अक्टूबर को चुनाव होने हैं। ट्रूडो सरकार को हटाने और ट्रम्प शासन के अनुकूल सरकार लाने में ट्रम्प और मस्क दोनों का बड़ा दांव है। डोनाल्ड ट्रम्प 20 जनवरी को राष्ट्रपति का पदभार संभालेंगे। इसके ठीक एक महीने बाद, जर्मनी में 23 फरवरी को महत्वपूर्ण चुनाव होने जा रहे हैं। जर्मन चांसलर ओलॉफशुल्ट्ज को अपनी सरकार के पतन के बाद चुनाव कराने के लिए सहमत होना पड़ा। दक्षिणपंथी पार्टी एएफडीसीडीयूध्सीएसयू के बाद दूसरी पार्टी बनने के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार कर रही है जो अभी भी जनमत सर्वेक्षण में शीर्ष पर है। सोशल डेमोक्रेट्स (एसपीडी), ग्रीन्स और नयी वामपंथी बीएसडब्ल्यू तीसरे स्थान के लिए लड़ रहे हैं। जर्मन सरकार ने एलन मस्क पर देश के चुनाव अभियान में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है, जिसमें उन्होंने दक्षिणपंथी पार्टी एएफडी का बार–बार समर्थन किया है। एलन मस्क ने बहुत सारा धन जुटाया है और एएफडी के कुछ उम्मीदवारों के अभियान को प्रायोजित किया है, जो खुले तौर पर ट्रंप के समर्थक हैं। मस्क के एक्स पोस्ट और सप्ताहांत में मुस्लिम विरोधी, प्रवास विरोधी अल्टरनेटिव फॉर ड्यूशलैंड (एएफडी) का समर्थन करने वाले एक राय लेख के बाद सरकारी प्रवक्ता क्रिस्टयन हॉफमैन ने कहा, श्यह वास्तव में एलन मस्क द्वारा संघीय चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश का मामला है।श मस्क ने अक्सर जर्मन राजनीति पर टिप्पणी की है। यहां तक कि पिछले महीने उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चांसलर ओलॉफशुल्ट्ज को मूर्ख कहा था। हालांकि, हाल ही में उन्होंने जर्मन मतदाताओं से एएफडी का समर्थन करने का आह्वान किया, जिसे संघीय अधिकारी एक संदिग्ध चरमपंथी पार्टी के रूप में वर्गीकृत करते हैं, जिससे नाराजगी और यूरोप की शीर्ष अर्थव्यवस्था में हस्तक्षेप करने के आरोप भड़क उठे हैं। मस्क ने खुलेआम घोषणा की है कि 23 फरवरी को चुनाव जीतने पर केवल एएफडीही जर्मनी को बचा सकता है। ट्रंप–मस्क की जोड़ी की इस स्थिति ने सेंटर राइट सीडीयूध्सीएसयू पार्टी को बेचौन कर दिया है क्योंकि उनके नेताओं को लगता है कि एएफडी उनके दक्षिणपंथी आधार को आक्रामक रूप से नष्ट कर देगा और चुनाव से पहले इसे कमजोर कर देगा। जर्मनी में चुनावों में बहुत अधिक धन की आवश्यकता होती है और मस्क और उनके सहयोगियों से प्राप्त धन से लबालब एएफडीअन्य दावेदारों के अभियान को पीछे छोड़ते हुए एक बड़े अभियान पर है।वास्तव में एलन मस्क ने ब्रॉडशीट अखबारवेल्टएमसोनटैग में एक अतिथि संपादकीय लिखा था जिसमें तर्क दिया गया था कि जर्मनी आर्थिक और सांस्कृतिक पतन के कगार पर है। उन्होंने अपने लेख में कट्टरपंथ के आरोपों के खिलाफ एएफडी का बचाव किया और विनियमन और कर नीति सहित अर्थव्यवस्था के प्रति पार्टी के दृष्टिकोण की प्रशंसा की। चांसलर मर्ज के लिए सीडीयू,सीएसयू के चेहरे ने कहा, श्मैं पश्चिमी लोकतंत्रों के इतिहास में किसी मित्र देश के चुनाव अभियान में हस्तक्षेप का तुलनीय मामला याद नहीं कर सकता। अब तक, जर्मनी की सभी मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियां एएफडी को सत्ता में नहीं आने देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हाल ही में हुए क्षेत्रीय चुनावों में, सीटों की संख्या में बढ़त के बावजूद एएफडी को सरकार में शामिल नहीं होने दिया गया। लेकिन अगर एएफडी को सीडीयूध्सीएसयू के नंबर एक स्थान के करीब सीटें मिलती हैं, तो स्थिति बदल सकती है। अभी एएफडी को 19 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रखा गया है, जबकि सीडीयू ध्सीएसयू को 31 प्रतिशत वोट मिले हैं। एसपीडी, वामपंथी बीएसडब्ल्यू और डाईलिंके सभी एएफडीसे बहुत पीछे हैं। अभी तक, इस बात की संभावना बनी हुई है कि नयी संसद में एएफडी बहुमत के आंकड़े से बहुत पीछे रह जायेगी और गैर–दक्षिणपंथी ताकतों का एक संयोजन एएफडी को नयी जर्मन सरकार का हिस्सा बनने से रोक सकता है। अब सब कुछ अंतिम चुनाव परिणामों पर निर्भर करता है। फ्रांस में, जुलाई 2024 में हुए पिछले चुनावों के एक साल बाद जुलाई 2025 में राष्ट्रीय चुनाव होने की संभावना है। प्रधानमंत्री फ्रेंकोइस बायरू का कमजोर गठबंधन अस्तित्व के लिए दक्षिणपंथी मैरी ले पेन की नेशनल रैली पार्टी के समर्थन पर निर्भर है। ले पेन जल्दी चुनाव चाहते हैं और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने संकेत दिया है कि एक साल पूरा होते ही वे चुनाव की घोषणा कर देंगे। फ्रांस में ले पेन को ट्रंप का क्लोन माना जाता है और उनकी पार्टी को ट्रंप और मस्क का पूरा समर्थन मिल रहा है। पेरिस में राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि चुनाव की तारीखों की घोषणा होते ही मस्क ले पेन की मदद के लिए अपना अभियान शुरू कर देंगे। ब्रिटेन में पिछले संसदीय चुनावों में 14 प्रतिशत वोट पाने वाली निगेलफरेज की रिफॉर्म पार्टी उभर कर सामने आ रही है। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के लिए दक्षिणपंथी विकल्प और मुख्य विपक्ष के रूप में उभर रहे हैं। फरेज ने हाल ही में यूएसए में डोनाल्ड ट्रम्प और एलन मस्क से मुलाकात की और यह निर्णय लिया गया कि ट्रम्प रिफॉर्म पार्टी और फरेज को लेबर पार्टी के मुख्य विपक्ष के रूप में उभरने के लिए सभी सहायता देंगे। 1000 लाख अमेरिकी डॉलर की शुरुआती फंडिंग पर सहमति बनी। वास्तव में फरेज ब्रिटिश राजनीति में ट्रम्प मॉडल होंगे। अभी ट्रम्प–मस्क कॉम्बो का ध्यान जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन पर है। अब तक, यूरोपीय देशों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए दक्षिणपंथियों द्वारा ऐसा व्यापक प्रयास कभी नहीं हुआ। 2025 में यूरोप के मध्यमार्गियों, उदारवादियों और वामपंथियों को हाथ मिलाने और एकजुट होकर दक्षिणपंथियों से लड़ने के लिए जागना चाहिए। समय बदल रहा है।

सिंगर अरमान मलिक और आशना श्रॉफ ने रचाई शादी, शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

> अरमान और आशना की सगाई अगस्त २०२३ में हुई थी। शादी की तस्वीरें शेयर कर दोनों ने कैप्शन में लिखा, तू ही मेरा घर। कपल तस्वीरों में बेहद ही खूबसूरत लग रहा है। आशना ने ऑरेंज शेड की लहंगा चुनरी पहन रखी है। दोनों तस्वीरों में बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। अरमान भी दूल्हे के परिधान में हैंडसम लग रहे हैं। बताया जा रहा है कि अरमान और आशना की शादी में करीबी परिवार और दोस्त शामिल हुए।उनकी तस्वीरों को फैंस और फॉलोअर्स काफी पसंद कर रहे हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं।

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर अरमान मलिक ने आखिरकार अपनी गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ से शादी कर ली। अरमान मलिक और आशना ने गुरुवार को अपने–अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शादी की तस्वीरें शेयर की। अरमान और आशना की सगाई अगस्त 2023 में हुई थी। शादी की तस्वीरें शेयर कर दोनों ने कैप्शन में लिखा, तू ही मेरा घर। कपल तस्वीरों में बेहद ही खूबसूरत लग रहा है। आशना ने ऑरेंज शेड की लहंगा चुनरी पहन रखी है। दोनों तस्वीरों में बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। अरमान भी दूल्हे के परिधान में हैंडसम लग रहे हैं। बताया जा रहा है कि अरमान और आशना की शादी में करीबी परिवार और दोस्त शामिल हुए ।उनकी तस्वीरों को फैंस और फॉलोअर्स काफी पसंद कर रहे हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। अरमान के पापा डब्बू मलिक ने भी अपना हार्ट शेप इमोजी के जरिए प्यार बरसाया है। एक्ट्रेस प्रनूतन ने इमोजी के जरिए बधाई दी तो सोफी चौधरी अवाक रह गईं। उन्होंने लिखा, ष्ओह माय गुडनेस! आप दोनों को बधाई। आहना कुमरा ने लिखा, बधाई हो। वहीं वरुण धवन ने भी पोस्ट को पसंद किया। अरमान और आशना ने अगस्त 2023 में सोशल मीडिया के जरिए अपनी सगाई की घोषणा की थी। तब गायक ने रोमांटिक तस्वीरों की एक सीरीज पोस्ट की थी। एक फोटो में वह हाथ में अंगूठी लिए घुटने पर बैठे नजर आ रहे थे। दूसरी तस्वीरों में जोड़े ने एक साथ शानदार पोज दिया था। अरमान ने पोस्ट को कैप्शन दिया, और हमारा हमेशा का साथ अब शुरू हुआ है। अरमान मलिक के करियर की बात करें तो वह अपने हिट गानों जैसे वजह तुम हो, बोल दो ना जरा और बुट्टा बोम्मा के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने हाल ही में अमेरिकी गायक एड शीरन संग ब्रिटिश गायक के गाने 2 स्टेप के नए वर्जन पर काम किया है। अरमान को एक गायक, गीतकार, वॉयस–ओवर आर्टिस्ट, कलाकार और अभिनेता के रूप में उनके काम के लिए जाना जाता है। दूसरी ओर आशना श्रॉफ एक मशहूर भारतीय फैशन और ब्यूटी ब्लॉगर हैं।

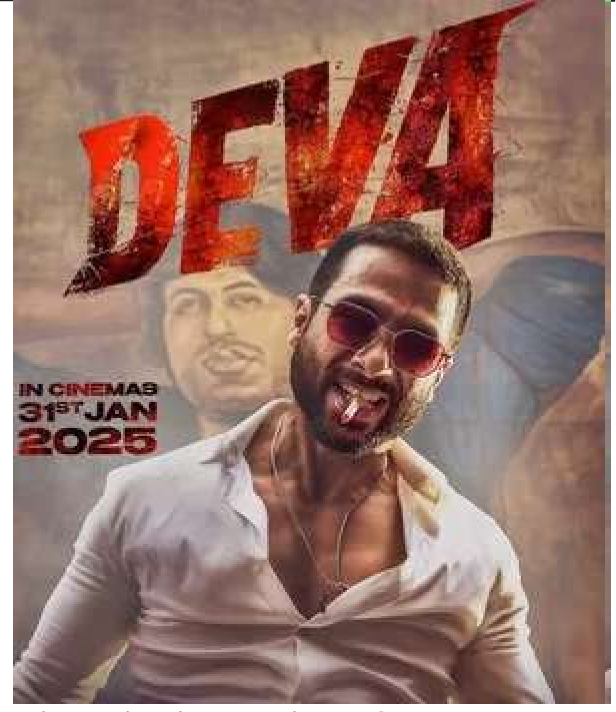

देवा के पोस्टर में शाहिद कपूर की एक और धमाकेदार प्रस्तुति का वादा

शाहिद कपूर की आगामी फिल्म देवा का पोस्टर बुधवार को जारी किया गया। मोशन पोस्टर में शाहिद का किरदार एक पुलिस अधिकारी का है, जो सिगरेट पीते हुए कैमरे की तरफ देख रहा है। सिगरेट पीते हुए शाहिद करिश्माई और दमदार दिख रहे हैं, जो शक्ति और एटिट्यूड को दर्शाता है। पोस्टर की अपील 70 के दशक के दिग्गज बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन की पृष्ठभूमि छवि द्वारा और भी बढ़ जाती है, जो गंभीरता और पुरानी यादों की एक रोमांचक भावना का पुट जोड़ती है। शाहिद के लुक और बच्चन की दमदार मौजूदगी ने एक शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा किया है। इसके साथ ही शाहिद की दमदार परफॉर्मेंस का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। इससे पहले, अभिनेता ने इस साल आईफा के ग्रीन कार्पेट पर फिल्म के बारे में बात की थी। उन्होंने मीडिया से कहा था, ष्यह एक एक्शन फिल्म है, इसलिए इसमें बहुत सारा एक्शन है। इसमें रोमांच का तत्व भी है, उम्मीद है कि आप अंत तक सोचते रहेंगे कि यह किसने किया। यह एक बेहद आक्रामक किरदार है जिसे मैं निभा रहा हूं। यह एक बहुत ही जीवंत फिल्म है, अगर हम सही टीजर और ट्रेलर बनाते हैं तो यह आपको रोमांच से भर देगी और आपको इसकी ऊर्जा का एहसास कराएगी। यह अगले साल 14 फरवरी को रिलीज होगी और मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। फिल्म में पूजा हेगड़े और पवैल गुलाटी भी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में पवैल भी एक पुलिस वाले की भूमिका में हैं। यह फिल्म मलयालम फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित और जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स द्वारा निर्मित है। देवा को साल की पहली सबसे बड़ी फिल्म बताया जा रहा है। यह फिल्म 31 जनवरी 2025 को रिलीज होगी।

भगदड़ मामले में पुष्पा 2 स्टार अल्लू अर्जुन के सपोर्ट में आए बोनी कपूर, कहा-बेवजह घसीटा जा रहा नाम

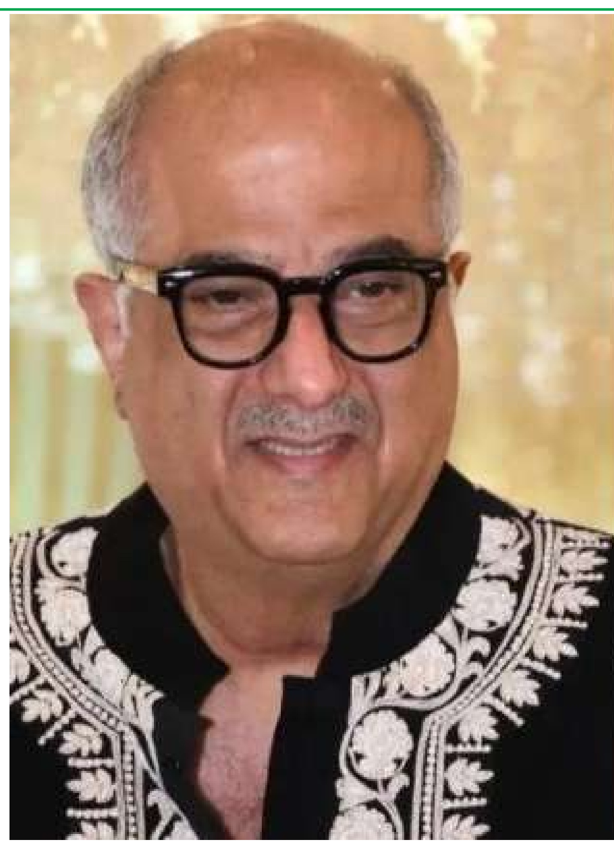

पुष्पा 2 स्टार अल्लू अर्जुन को भगदड़ मामले में 2024 में कई मुसीबतों का सामना करना पड़ा। वहीं, नए साल में मुश्किलें उनका पीछा नहीं छोड़ रही हैं। इसी बीच फिल्ममेकर बोनी कपूर ने पुष्पा 2 के प्रीमियर पर एक फैन की मौत से जुड़े केस में उनका सपोर्ट किया है। बोनी का कहना है कि अर्जुन को बिना मतलब में इस मामले में घसीटा गया, जबकि मौत केवल वहां जमा हुई भारी भीड़ की वजह से हुई। हाल ही में एक इंटरव्यू में बोनी कपूर ने कहा, जब मैंने पहली बार देखा तो अजीत की फिल्म सुबह 1 बजे रिलीज हो रही थी। मैं थिएटर के बाहर 20–25 हजार लोगों को देखकर चौंक गया। जब मैं शो से लगभग 3.30–4 बजे बाहर आया तब भी बाहर बहुत सारे लोग थे। मुझे बताया गया है कि रजनीकांत, चिरंजीवी या जूनियर एनटीआर, राम चरण, महेश बाबू जैसे अभी के स्टार्स की फिल्मों के साथ भी यही होता है। अल्लू अर्जुन को जिस घटना के लिए गिरफ्तार किया गया था, उससे इसे जोड़ते हुए बोनी ने कहा, पहले दो दिन या कम से कम पहले दिन एक्सट्रा शो के लिए टिकट की दरें बढ़ा दी जाती हैं। यही वजह है कि यह हालात पैदा हुए, जहां बेवजह अल्लू अर्जुन को घसीटा गया और एक फैन की मौत के लिए दोषी ठहराया गया। यह केवल फिल्म देखने के लिए जमा हुई भीड़ के कारण हुआ। दरअसल, पुष्पा 2 की रिलीज से एक दिन पहले 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग हुई थी, जहां अर्जुन को–स्टार रश्मिका मंदाना और पत्नी स्नेहा रेड्डी के साथ थिएटर में पहुंचे। उस दौरान एक्टर को देखने के लिए थिएटर में भीड़ जमा हो गई जिससे भगदड़ जैसे हालात पैदा हो गए। इसमें एक 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई। राज्य सरकार ने दावा किया है कि अर्जुन इजाजत ना मिलने के बावजूद थिएटर में आए और हालात के बारे में बताए जाने के बाद भी जाने से इनकार कर दिया। अर्जुन ने आरोपों से इनकार किया है। वहीं, मामले में एक्टर को गिरफ्तार भी कर लिया गया था, लेकिन तेलंगाना हाई कोर्ट के अंतरिम जमानत देने के बाद उन्हें अगले दिन रिहा कर दिया गया था। मामला अभी जांच के दायरे में है। अल्लू अर्जुन की जमानत पर 3 जनवरी को फैसला आएगा।

'वर्जिन लड़की मिलना मुश्किल है...', पोस्ट पर फेमस सिंगर चिन्मयी श्रीपदा ने यूजर को जमकर लताड़ा

लोकप्रिय सिंगर चिन्मयी श्रीपदा अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती है। हाल ही में चिन्मयी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर को जमकर लताड़ा। दरअसल, यूजर ने नए साल पर सबसे ज्यादा कंडोम की ब्रिकी पर लिखा कि इस जनरेशन में वर्जिन लड़कियां मिलना काफी मुश्किल है। इस पर चिन्मयी ने यूजर को करारा जबाव देते हुए कहा कि वो अपने आसपास मौजूद पुरुषों से बोले कि शादी से पहले सेक्स ना करे। इतना ही नहीं, उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ महिलाओं पर लागू होने वाले नियम के दोहरे मानदंडों की ओर इशारा किया। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नए साल 1 जनवरी 2025 के /अमदवउ1 नाम के एक एक्स (ट्विटर) यूजर ने लिखा, श्ब्लिंकिट के सीईओ ने अभी पोस्ट किया है कि कल रात को कंडोम के 1.2 लाख पार्सल डिलीवर किए गए। केवल कल रात के लिए और सिर्फ ब्लिंकिट के लिए। इसके अलावा, अन्य ई–कॉमर्स साइट्स और मार्केट की बिक्री 10 मिलियन तक होगी। इस जेनरेशन (पीढ़ी) में शादी के लिए वर्जिन (कुंवारी) लड़की ढूंढ़ने के लिए शुभकामनाएं।

चिन्मयी ने दिया मुंहतोड़ जवाब

सिंगर चिन्मयी ने अब डिलीट हो चुके स्क्रीनशॉट शेयर किया और लिखा, श्तो पुरुषों को महिलाओं के साथ शादी से पहले सेक्स नहीं करना चाहिए। जब तक कि वे पुरुष बकरियों, कुत्तों और सरीसृपों (त्मचजपसमे) के साथ सेक्स न कर रहे हो।

चिन्मयी ने एक और यूजर को खरी–खोटी सुनाई

इतना ही नहीं, चिन्मयी ने एक अन्य यूजर को उनकी राय के लिए जोकर कहा और कहा कि महिलाओं को भी ऐसा नहीं करना चाहिए। सिंगर ने इस पर पलटवार करते हुए लिखा, श्महिलाएं वर्जिन ग्रस्त नहीं हैं। महिलाएं मानती हैं कि पुरुष पहले से ही सेक्शुअली एक्टिव हैं और वे यह पूछने की हिम्मत भी नहीं करतीं कि आप सभी सुरक्षित या असुरक्षित सेक्स किया है। उन्होंने आगे लिखा कि वैसे भी ऐसा लगता है कि इनसेल ब्रदर्स को लगता है कि एक बार जब वे किसी महिला के साथ सेक्स कर लेते हैं तो वो उसे हमेशा के लिए दूषित कर देते हैं। इसलिए पुरुषों को कोई ऐसी बीमारी होनी चाहिए, जिससे महिला जो उसके साथ इंटिमेट होने की कोशिश करती है, कभी ठीक नहीं हो पाती और जिससे दूसरे पुरुष डरते हैं। हैरानी है कि यह क्या है।

सिंगर को लोगों का मिला सपोर्ट

सोशल मीडिया पर चिन्मयी को काफी लोग परेशान करते हैं। एक ने कहा कि, यूजर को इतना यकीन क्यों कि पुरुष अपनी बीवियों के साथ सेक्स करने के लिए कंडोम नहीं खरीद रहे हैं?श दूसरे ने लिखा, इस आदमी को इस बात से परेशानी है कि लोग सुरक्षित हैं, जिम्मेदार सेक्स कर रहे हैं ।श

बता दें कि, चिनमयी ने साल 2006 में अपना करियर शुरु किया था। सिंगर काफी फेमस गाने गा चुकी है। इसके साथ ही वह वॉइस आर्टिस्ट भी हैं। उन्होंने हाल ही में श्कुशीश में सामंथा रुथ प्रभु, शलियोश में त्रिशा कृषणन और हाय शनिन्नाश में मृणाल ठाकुर के लिए डबिंग की है।

मिस इंडिया से पायलट बनने तक रोमांचक रहा है गुल पनाग का जीवन

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की कुछ गिनी चुनी फेमस अभिनेत्रियों में गुल पनाग का नाम भी शामिल है। पनाग ने अपने जीवन की बहुत कम आयु में कई उपलब्धियां हासिल कीं हैं। जिंदगी को बेहद खुलकर जीने में गुल पनाग यकीन रखती हैं। आज के दिन वह अपना 46 वां जन्मदिन मना रही हैं। कई महिलाओं के लिए गुल आज के दौर में प्रेरणा बन चुकी हैं। भारत की सबसे खूबसूरत महिला का ख़िताब जीतने वाली गुल ने आसमान पर भी तब कब्जा कर लिया, जब वह सर्टिफाइड कमर्शियल पायलट बनीं। आज शायद गुल उतनी लोकप्रिय न हों, लेकिन वह खुद में बेहद खास हैं। एक्टिंग से लेकर रियल लाइफ तक सब कुछ हटकर करने वाली गुल पनाग का जन्म 3 जनवरी 1979 को चंडीगढ़ में हुआ। गुल देश के अलग–अलग शहरों में रह चुकी हैं, क्योंकि उनके पिता आर्मी में लेफ्टिनेंट जनरल थे। उनका ट्रांसफर देश में अलग–अलग जगहों पर होता रहता था। उनकी जिंदगी के लिए सबसे बड़ा अचीवमेंट मिस इंडिया बनना रहा। यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि गुल मिस इंडिया का खिताब भी अपने नाम कर चुकी हैं, लेकिन गुल सिर्फ यहीं रुकने वाली नहीं थीं। बॉलीवुड में भी गुल ने अलग–अलग फिल्मों के जरिए अपनी पहचान बनाई। धूप, डोर, मनोरमा– सिक्स फीट अंडर और टर्निंग 30 जैसी फिल्मों ने उन्हें बेहतरीन अदाकारा साबित कर दिया। बॉलीवुड अभिनेत्री गुल पनाग को बाइक चलाना बुतत अधिक पसंद हैं। इसलिए उनकी शादी में सभी बराती बाइक पर ही आए थे। इस नई चीज को देखकर यह कहा जा सकता है कि गुल की शादी की तस्वीरों ने उस समय आज की मॉडर्न ब्राइड का ट्रेंड सेट किया। अपनी शादी की तस्वीरों में गुल कभी बाइक पर बैठीं नजर आईं तो कभी खुलेआम अपने पति को किस करती नजर आईं। उनकी विदाई किसी डोली या कार में नहीं, बल्कि बाइक पर हुई थी। साल 2016 में गुल ने आसमां पर भी कब्जा कर लिया, जब वह कमर्शियल पायलट बन गईं और अपने सपने को साकार कर सभी के लिए प्रेरणा बन गईं। उन्होंने अपनी जिंदगी में कई ऐसे कारनामे किए होते हैं, जिसके बारे में आम इंसान सोच भी नहीं सकता।

छोटी उम्र से ही देख रही परेशानियां

साल 1979 में चंडीगढ़ में गुल पनाग का जन्म हुआ था और गुल का पूरा नाम गुलकीरत कौर पनाग है। इस हसीना के पिता आर्मी में लेफ्टिनेंट जनरल थे, लिहाजा उनका ट्रांसफर देश में अलग–अलग जगहों पर होता रहता था। शायद यही वजह रही होगी की गुल पनाग को बचपन से ही काफी अच्छा एक्सपोजर मिला और उन्होंने हर बार कुछ नया करने की ठानी। गुल ने जिस चौलेंज को अपनाया, उसी में उन्होंने महारत हासिल की। उन्होंने मॉडलिंग की, एक्टिंग की, सर्टिफाइड पायलट बनीं, फॉर्मूला वन रेस में भी हिस्सा लिया। गुल ने ऐसे बहुत से अचीवमेंट अपने नाम किए हैं।

मिस इंडिया का खिताब जीतकर किया अभिनय

जब साल 1999 में उन्होंने मिस इंडिया का खिताब अपने नाम किया तो उनके पास एक से बढ़कर एक फिल्म के ऑफर आने लगे। उन्होंने मॉडलिंग और फिर कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जादू भी दिखाया। धूप, डोर, मनोरमा– सिक्स फीट अंडर और टर्निंग 30 जैसी फिल्मों ने उन्हें बेहतरीन अदाकारा साबित किया। लेकिन कुछ समय बाद ही वो फिल्मी दुनिया से गायब हो गई थीं। शायद उन्हें अपने जीवन में एक्टिंग से हटकर कुछ और करना था।

शादी में भी दिखाया टशन

कई सालों तक फिल्मों में काम करने के बाद गुल ने घर बसाना सही समझा और 23 मार्च 2011 में अपने बचपन के दोस्त ऋषि अत्री से शादी कर ली। गुल की इस शादी को लोग आज भी याद करते हैं क्योंकि उन्होंने अपनी ही शादी में जो टशन दिखाया था वो उस समय के लिहाज से काफी ज्यादा अलग था। जी हां, वो अपनी शादी में बुलेट पर पहुंची थीं और बाकी के बाराती भी बुलेट की सवारी करके अपना जलवा बिखेर रहे थे।

महिलाओं की सेहत के लिए वरदान हैं ये सुपरफूड्स, आज से ही डाइट में करें शामिल

महिलाएं पूरे परिवार का ख्याल रखती हैं। महिलाएं घरों में सभी के खानपान से लेकर सेहत तक का ध्यान रखती हैं। लेकिन कई बार वह अपने सेहत और जरूरतों को पीछे छोड़ देती हैं। वहीं महिलाएं हल्के-फुल्के बुखार या सेहत से जुड़ी छोटी-मोटी परेशानियों को भी नजरअंदाज कर देती हैं। लेकिन ऐसा करना आपकी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखना चाहिए। ऐसा इसलिए भी क्योंकि महिलाओं का शरीर थोड़ा सा अधिक जटिल होता है और उम्र के अलग-अलग पड़ाव पर उनके शरीर को कई बदलावों से गुजरना पड़ता है। इसलिए महिलाओं को अपनी थोड़ी एक्स्ट्रा केयर भी करनी चाहिए। बता दें कि टीनएज से लेकर मेनोपॉज तक हार्मोनल बदलावों का असर भी महिलाओं की सेहत पर देखने को मिलता है। ऐसे में आप अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए अपनी डाइट में कुछ हेल्दी चाजों को शामिल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे सुपरफूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

आंवला

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो महिलाओं को अपनी डाइट में आंवला जरूर शामिल करना चाहिए। आंवला में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में इसका सेवन करने से शरीर को ताकत मिलती है और इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स से बाल और स्किन हेल्दी रहते हैं। यह शरीर में आयरन के अब्जॉर्बशन में भी मदद करता है और इससे शरीर में हार्मोनल बैलेंस बना रहता है। वहीं आंवला खाने से पीरियड्स नियमित आते हैं। साथ ही यह फर्टिलिटी में भी सुधार करता है।

किशमिश

किशमिश में मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन डी और कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को मजबूती देते हैं और इसमें आयरन की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। ऐसे में इसका सेवन करने से खून की कमी दूर होती है और शरीर में ताकत भर जाती है। किशमिश में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है। यह डाइजेशन में सुधार करती है और पीरियड्स से जुड़ी समस्या भी दूर होती है। किशमिश का सेवन करने से एजिंग के साइन्स कम होते हैं। आप रात में 5 किशमिश पानी में भिगो दें और फिर अगली सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

शतावरी

आयुर्वेदिक हर्ब शतावरी महिलाओं के लिए काफी लाभकारी होती है। इसका सेवन करने से हार्मोनल बैलेंस बना रहता है और फर्टिलिटी में भी सुधार होता है। यह पीरियड्स से जुड़ी समस्याओं को दूर कर स्ट्रेस को कम करता है। वहीं इसके सेवन से मेनोपॉज के लक्षणों को भी मैनेज किया जा सकता है। लेकिन शतावरी का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

घी

घी हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है और इसमें कई विटामिन्स होते हैं, जो शरीर के हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखने में सहायता करते हैं। घी में मौजूद गुण कब्ज की समस्या को दूर करते हैं और यह प्रेग्नेंसी में भी फायदा करता है। देसी घी का सेवन करने से हड्डियों को मजबूती मिलती है और फर्टिलिटी में भी सुधार होता है। देसी घी एंटी-एजिंग की तरह काम करता है और गट हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है।

अखरोट

बता दें कि महिलाओं के लिए अखरोट काफी फायदेमंद होता है। अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड्स पाया जाता है, जो इंफ्लेमेशन को कम करता है। अखरोट दिमाग की शक्ति को बढ़ाता है और इसका सेवन करने से नींद अच्छी आती है और हमारे शरीर को ताकत भी मिलती है। अखरोट शरीर में हैप्पी हार्मोन को बढ़ाता है और इसको खाने से त्वचा भी हेल्दी रहती है।

क्या कटा हुआ प्याज खाने से फूड पॉइजनिंग हो सकती है? जानिए सच्चाई

प्याज, जो भारतीय व्यंजनों का अहम हिस्सा है और अपने पोषण गुणों के लिए भी जाना जाता है, हाल ही में एक यूट्यूब वीडियो के दावे के कारण चर्चा में है। वीडियो में कहा गया है कि कटा हुआ प्याज लंबे समय तक रखने से यह बैक्टीरिया सोख लेता है और इसे खाने से पेट खराब होने के साथ-साथ फूड पॉइजनिंग भी हो सकती है। आइए, इस दावे की गहराई से जांच करते हैं।

क्या दावा किया गया है?

यूट्यूब वीडियो के अनुसार, प्याज वातावरण से बैक्टीरिया को तेजी से एब्जॉर्ब करता है। अगर पहले से कटा हुआ प्याज खाया जाए तो यह फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकता है। वीडियो में कटा हुआ प्याज न खाने की हिदायत दी गई है, खासतौर पर जब इसे लंबे समय तक रखा गया हो।

विज्ञान क्या कहता है?

पुणे के मणिपाल हॉस्पिटल की डायटीशियन शालिनी सोमासुंदा का कहना है कि इस दावे का कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। प्याज में मौजूद सल्फर कंपाउंड स्वाभाविक रूप से बैक्टीरिया की बढ़त को रोकने में मदद करते हैं। इसलिए, यह दावा कि प्याज बैक्टीरिया को सोखकर खतरनाक बन सकता है, पूरी तरह से गलत है।

गंदे वातावरण का असर

डायटीशियन शालिनी का कहना है कि न केवल प्याज, बल्कि किसी भी खाद्य पदार्थ को गंदे वातावरण या गंदे बर्तनों में रखने से बैक्टीरिया का संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है। गंदे वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, धूल और अन्य हानिकारक तत्व आसानी से खाने के संपर्क में आ सकते हैं। लंबे समय तक खुले में रखा खाना न केवल स्वाद को खराब करता है, बल्कि इसे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक भी बना देता है। इस समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि हम अपने खाने के सामान को सही तरीके और साफ-सुथरे जगह पर स्टोर करें।

कैसे करें प्याज का सही स्टोरेज?

1. एयर-टाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें

कटा हुआ प्याज या अन्य खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए हमेशा एयर-टाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें। यह कंटेनर प्याज को गंदगी और बैक्टीरिया के संपर्क में आने से बचाता है। खुले में रखे गए प्याज में नमी और बैक्टीरिया तेजी से पनप सकते हैं, जो खाने को खराब कर सकते हैं। अगर आप इसे फ्रिज में रखते हैं, तो एयर-टाइट कंटेनर का उपयोग करने से इसकी ताजगी और गुणवत्ता बनी रहती है।

2. ताजा खाना बेहतर

कोशिश करें कि हर बार ताजा प्याज काटकर ही उपयोग करें। कटा हुआ प्याज लंबे समय तक रखने से न केवल स्वाद खराब होता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक हो सकता है। ताजा प्याज में पोषक तत्व ज्यादा बने रहते हैं और यह बैक्टीरिया के संक्रमण से भी बचा रहता है। इसलिए, खाना पकाने या सलाद के लिए हर बार ताजा प्याज का ही इस्तेमाल करें।

3. सही तापमान बनाए रखें

प्याज को स्टोर करने का सबसे अच्छा तापमान 5सी है। डायटीशियन के अनुसार, इस तापमान पर प्याज लंबे समय तक ताजा और सुरक्षित रहता है। अत्यधिक गर्मी या नमी प्याज को खराब कर सकती है और इसमें बैक्टीरिया के पनपने का खतरा बढ़ा देती है। अगर आप प्याज को फ्रिज में रखते हैं, तो ध्यान रखें कि फ्रिज का तापमान 5सी के आसपास हो। यह न केवल प्याज की शेल्फ लाइफ को बढ़ाता है, बल्कि इसे बैक्टीरिया के संक्रमण से भी बचाता है।

4. खुले में न छोड़ें

कटा हुआ प्याज या किसी अन्य खाद्य पदार्थ को कभी भी लंबे समय तक खुले में न रखें। खुला प्याज वातावरण में मौजूद धूल, गंदगी और बैक्टीरिया के संपर्क में आ सकता है। यह खासतौर पर तब ज्यादा खतरनाक हो सकता है जब आपका किचन गंदा हो या आसपास नमी और गर्मी ज्यादा हो। हमेशा प्याज को कटने के तुरंत बाद उपयोग करें या इसे एयर-टाइट कंटेनर में सुरक्षित तरीके से स्टोर करें।

दावा झूठा है

सजग फैक्ट चेक टीम की जांच में यह दावा पूरी तरह से झूठा साबित हुआ है। कटा हुआ प्याज बैक्टीरिया नहीं सोखता और फूड पॉइजनिंग का कारण नहीं बनता, बशर्ते इसे सही तरीके और साफ-सुथरे वातावरण में स्टोर किया जाए। साफ-सफाई और उचित रखरखाव पर ध्यान देकर आप प्याज और अन्य खाद्य पदार्थों का सुरक्षित तरीके से सेवन कर सकते हैं।

किन लोगों के लिए जहर है बादाम-मूंगफली खाना? जानें पूरी सच्चाई

बादाम और मूंगफली को सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इनमें प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ लोगों के लिए ये सुपरफूड्स 'जहर' की तरह काम कर सकते हैं? जी हां, गलत खानपान या एलर्जी की समस्या के कारण बादाम और मूंगफली का सेवन कुछ लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

खांसी और खुजली की समस्या

शुरुआत में कुछ लोगों को बादाम और मूंगफली खाने पर हल्की खांसी या गले में खुजली महसूस होती है। यह संकेत हो सकता है कि उनका शरीर इन ड्राई फ्रूट्स को स्वीकार नहीं कर रहा है। ऐसी स्थिति में इनका सेवन तुरंत बंद कर देना चाहिए और डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

एलर्जी से जुड़ी समस्याएं

बादाम और मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है, जो कुछ लोगों के लिए एलर्जी का कारण बन सकती है। यह एलर्जी पीनट एलर्जी और नट एलर्जी के नाम से जानी जाती है। जिन लोगों को यह समस्या होती है, उनके शरीर में इनका सेवन करने पर प्रतिरक्षा तंत्र सक्रिय हो जाता है और हिस्टामीन नामक रसायन का निर्माण होता है, जिससे एलर्जी के लक्षण उभरने लगते हैं।

एलर्जी के सामान्य लक्षण

1. त्वचा पर खुजली या लाल चकत्ते
2. गले और जीभ में सूजन
3. सांस लेने में तकलीफ
4. पेट दर्द, उल्टी या डायरिया
5. गंभीर मामलों में एनाफाइलेक्टिक शॉक, जो जानलेवा हो सकता है।

किन्हें बचना चाहिए मूंगफली और बादाम से?

एलर्जी पीड़ित लोग

अगर किसी व्यक्ति को मूंगफली या अन्य नट्स से एलर्जी है, तो उन्हें इनका सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। मूंगफली या बादाम जैसे ड्राई फ्रूट्स में मौजूद प्रोटीन शरीर में एलर्जी को ट्रिगर कर सकता है। इस एलर्जी से त्वचा पर खुजली, लाल चकत्ते, गले और जीभ में सूजन, या सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। कुछ मामलों में यह समस्या इतनी गंभीर हो सकती है कि एनाफाइलेक्टिक शॉक का कारण बन जाए, जो जानलेवा साबित हो सकता है। एलर्जी के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और इस प्रकार के खाद्य पदार्थों से पूरी तरह बचें।

अस्थमा के मरीज

अस्थमा से पीड़ित लोगों को मूंगफली और बादाम का सेवन बेहद सावधानी से करना चाहिए। इन खाद्य पदार्थों में मौजूद तत्व अस्थमा के लक्षणों को और बढ़ा सकते हैं। मूंगफली में तेल और प्रोटीन ऐसे रसायन बना सकते हैं, जो सांस लेने में परेशानी पैदा करते हैं। अस्थमा के मरीजों को सलाह दी जाती है कि वे मूंगफली और बादाम का सेवन करने से पहले डॉक्टर की राय जरूर लें, क्योंकि इससे उनकी स्थिति और खराब हो सकती है।

पाचन समस्या वाले लोग

जिन लोगों को पाचन से जुड़ी समस्याएं हैं, उनके लिए मूंगफली और बादाम का सेवन नुकसानदायक हो सकता है। मूंगफली और बादाम भारी खाद्य पदार्थ माने जाते हैं, जिनका पाचन आसान नहीं होता। इससे पेट दर्द, गैस, और अपच की समस्या हो सकती है। खासकर, रात के समय इनका सेवन करने से बचना चाहिए, क्योंकि यह पाचन प्रक्रिया को और धीमा कर सकता है। जिन लोगों का पाचन तंत्र कमजोर है, उन्हें इन्हें कम मात्रा में या बिल्कुल न खाना बेहतर होगा।

गर्भवती महिलाएं

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अपने खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जिन गर्भवती महिलाओं को नट्स से एलर्जी है, उन्हें मूंगफली और बादाम से बचना चाहिए। गर्भावस्था के दौरान एलर्जी से मां और बच्चे दोनों की सेहत को खतरा हो सकता है। इसके अलावा, मूंगफली या बादाम का अधिक सेवन गर्भवती महिलाओं में गैस, पेट फूलने और अपच की समस्या पैदा कर सकता है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह लेना और संतुलित मात्रा में ही इनका सेवन करना बेहद जरूरी है।

सावधानियां और सुझाव

डॉक्टर से सलाह लें: अगर आपको किसी भी प्रकार की एलर्जी महसूस हो रही है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

शुरुआत में कम मात्रा में सेवन करें: पहली बार बादाम या मूंगफली खाने से पहले इन्हें कम मात्रा में लें और शरीर की प्रतिक्रिया पर ध्यान दें।

प्रोसेस्ड नट्स से बचें: पैकेज्ड या प्रोसेस्ड मूंगफली और बादाम में अतिरिक्त तेल और मसाले होते हैं, जो एलर्जी को बढ़ा सकते हैं।

एपिपेन का इस्तेमाल: गंभीर एलर्जी वाले लोग अपने पास एपिपेन (इमरजेंसी इंजेक्शन) जरूर रखें।

क्या करें अगर एलर्जी हो जाए?

तुरंत एंटीहिस्टामीन दवा लें (डॉक्टर की सलाह से)।

ठंडी चीजों का सेवन करें, जिससे खुजली और सूजन कम हो।

गंभीर मामलों में तुरंत अस्पताल जाएं।

बादाम और मूंगफली सेहत के लिए फायदेमंद हैं, लेकिन हर किसी के लिए नहीं। अगर आपको इनसे एलर्जी है, तो इनका सेवन पूरी तरह से बंद कर दें। अपनी सेहत का ध्यान रखें और किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन करते समय अपने शरीर की प्रतिक्रिया पर ध्यान देना न भूलें।

संकल्प न लेने का संकल्प (व्यंग्य)

नए साल का नैतिक कर्तव्य है कि समाज को हर काम बेहतर करने के लिए प्रेरित करे। इंसान तो संकल्प लेने और न ले सकने के बीच उलझा रह जाता है और नया साल पुराना होने लगता है। बिना लिए संकल्प उदास हो जाते हैं। नए साल के कुछ संकल्प रहित दिन बीत जाने के बाद, एक संजीदा सुबह अदरक, तुलसी व काली मिर्च के छौंक से बनी गर्मागर्म चाय पीकर विचार आया कि कुछ दिन बीत गए तो क्या हुआ। संकल्प तो जब चाहे ले लो। यह दिन रविवार हो तो सोने पर खूब सारा सुहागा। मौसम के आंगन में जब ठंड और धुंध ने धूप को गिरफ्तार कर रखा हो तो कमरे में बीत रही छुट्टी के आरामदायक लम्हों में संकल्प लेने का शांत माहौल स्वत बन जाता है। रजाई में बैठे बैठे पिछले सालों में, गहरे डूब चुके पुराने संकल्पों को भुलाकर नए संकल्प तैराने बारे निर्णय ले सकते हैं। सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और आर्थिक नेताओं द्वारा दिमाग से पूरे किए जा रहे संकल्पों की तारीफ़ कर प्रेरणा ले सकते हैं। अपने संकल्प पूरे करने के लिए संजीदा हों न हों लेकिन बच्चों, पत्नी और मित्रों को नए संकल्प लेने बारे उपदेश दे सकते हैं। उन दर्जनों लोगों से सीख सकते हैं जो रात दिन एक कर, संकल्पों के आधार पर ही पूरी दुनिया में नाम कमा रहे हैं। बहुत गहरी संजीदगी से अवलोकन किया जाए तो नए संकल्पों के आधार पर, खुद को सुधारने में अक्सर बड़ी

परेशानी होती है तभी बेचारे संकल्पजी बेहोश हो जाते हैं। संतुष्टि की बात यह है कि हम दूसरों को सुधारने के संकल्प ज़्यादा लेते हैं। वह अलग बात है कि दूसरों को सुधारने का संकल्प हवा में लच्छा परांठा बनाने जैसा है। अनुभव से लबरेज़, स्वादिष्ट एवं नई व्यावहारिक खोज यह है कि संकल्प न लेना भी एक स्पष्ट, सुरक्षित संकल्प लेने जैसा ही है। सर्वश्रेष्ठ इतिहास के अनुसार यह वर्ल्ड ट्रेंड है कि कुछ दिन बाद ही अधिकांश नए संकल्प ढीले पड़ जाते हैं और अप्रैल आते आते उन्हें सांस चढ़ जाता है, कुछ की टांग टूट जाती है। इससे बेहतर है अपने पुराने संकल्प के साथ ही प्यार से चिपके रहो। कम से कम इस बहाने आत्मसम्मान टिका रहेगा और अपनी नज़र में इज्ज़त भी बनी रहेगी। प्रशंसनीय यह रहेगा कि नए साल के बारह महीने भी नाराज़ नहीं होंगे, उन्हें बेकार के वायदे जो नहीं झेलने पड़ेंगे। तो आइए आज के ऐतिहासिक दिन यह संकल्प लें कि हमने पुराने होते जा रहे नए बरस में, कोई संकल्प किसी भी कीमत पर नहीं झेलना है।

संक्षिप्त

सेबी ने निवेशकों को जागरूक, शिक्षित करने को वेबसाइट, सारथी ऐप पर डाली अतिरिक्त जानकारी

नयी दिल्ली,एजेंसी। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों को जागरूक और शिक्षित करने के लिए कदम उठाया है। इसके तहत नियामक ने निवेशक शिक्षा पहल के अंतर्गत अपनी निवेशक वेबसाइट और 'सारथी' ऐप पर मुफ्त में सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन और अन्य सामग्री की पेशकश की है। इसका उद्देश्य संभावित और मौजूदा दोनों निवेशकों को सशक्त बनाना है। ये मंच निवेशकों को चीजों के बारे में जानकारी लेकर सोच–विचार के साथ निवेश निर्णय लेने में मदद करते हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक बयान में कहा, ''नियामक ने प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के हितों की रक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी के तहत, निवेशक जागरूकता और शिक्षा को बढ़ाने के लिए आधिकारिक निवेशक वेबसाइट पर टूल (सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन) और जरूरी सामग्री पेश की है।'' इसमें कहा गया है कि इन 'टूल' और सामाग्रियों का उद्देश्य संभावित और मौजूदा दोनों निवेशकों को उनकी निवेश यात्रा में मदद करना है। सेबी निवेशक वेबसाइट पर शेयर बाजारों, डिपॉजिटरी और एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्एफआई) और नेशनल सेंटर फॉर फाइनेंशियल एजुकेशन (एनसीएफई) जैसे संस्थानों से प्राप्त वीडियो का एक भंडार है। 'स्पॉट ए स्कैम' जैसे कदम उपयोगकर्ताओं को निवेश प्रस्तावों की वैधता का मूल्यांकन करने में सक्षम बनाते हैं। जबकि वित्तीय सेहत की जांच करने वाला जांच 'टूल' व्यक्तिगत वित्तीय स्थिति का आकलन प्रदान करता है और उसमें सुधार के बारे में सुझाव भी देता है। इसके अतिरिक्त, नियामक की वेबसाइट पर निवेश योजना और निर्णय लेने में सहायता के लिए डिजाइन किए गए 24 वित्तीय 'कैलकुलेटर' भी उपलब्ध हैं। सारथी ऐप निवेश के प्रमुख विषयों, शिकायत निवारण व्यवस्था और ऑनलाइन विवाद समाधान मंच की सुविधा प्रदान कर वेबसाइट के पूरक के रूप में काम करता है।

उत्तरी मुंबई में 2025 में प्रमुख बुनियादी ढांचे, झुग्गी पुनर्विकास योजनाओं पर दिया जाएगा जोर : गोयल

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उनके लोकसभा क्षेत्र के शहरी परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से बदलने के लिए इस साल कई महत्वपूर्ण पहलों पर काम किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि झुग्गी–झोपड़ियों का पुनर्विकास तथा सड़क व रेलवे लाइन विस्तार जैसी प्रमुख परियोजनाओं में तेजी लाना इन पहलों में शामिल हैं। गोयल ने पिछले साल उत्तरी मुंबई से अपना पहला लोकसभा चुनाव जीता था। मंत्री ने कहा कि चार जनवरी को वह लंबित परियोजनाओं

की प्रगति की समीक्षा के लिए मुंबई में सभी संबंधित विभागों के प्रमुखों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि उस बैठक में अभी तक उठाए गए कदमों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी तथा लंबित मुद्दों के लिए समयबद्ध कार्य योजना तैयार की जाएगी। गोयल ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, '' इस साल हमारे पास अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए कई बड़ी योजनाएं हैं। हम देख रहे हैं कि हम कितनी जल्दी झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को उसी स्थान पर पक्के मकान उपलब्ध करा सकते हैं। यह एक ऐसी परियोजना है जिस पर काम जारी है। हम जीवन को सुगम बनाने के लिए सड़कों तथा अन्य बुनियादी ढांचे से संबंधित सभी कार्यों में भी तेजी ला रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में कांदिवली सहित सभी चार रेलवे स्टेशनों पर जल्द ही काम शुरू हो जाएगा, जो अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) का हिस्सा है। इस पहल का उद्देश्य दीर्घकालिक दृष्टि से स्टेशन का निरंतर विकास करना है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने पिछले साल बोरीवली तक हार्बर लाइन विस्तार की घोषणा भी की थी। इससे नवी मुंबई से उत्तरी मुंबई के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। मंत्री ने कहा कि वह इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं क्योंकि ''एक तरफ हमारे पास संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान है और दूसरी तरफ हमारे पास खूबसूरत समुद्र है।

शेयर बाजार में बिकवाली हावी; सेंसेक्स 650 अंकों से ज्यादा टूटा, निफ्टी 24050 के नीचे

मुंबई, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बड़ी बिकवाली दिख रही है। फर्मा और आईटी शेयरों में गिरावट के बाद सेंसेक्स 630.98 (0.78:) अंक गिरकर 79,324.35 पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी में 140.75 (0.58:) अंकों की गिरावट के साथ 24,047.90 के स्तर पर कारोबार होता दिखा। इस दौरान रुपया भी डॉलर के मुकाबले अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा। इससे पहले, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 181.04 अंक गिरकर 79,762.67 अंक पर आ गया। इसके अलावा निफ्टी 56.55 अंक गिरकर 24,132.10 अंक पर पहुंच गया। इसके साथ ही शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 3 पैसे गिरकर 85.78 पर आ गया। बताया गया कि शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने कई दिनों की बिकवाली के बाद गुरुवार को शुद्ध रूप से 1,506.75 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

ऐसी रही बाजार की चाल

सकारात्मक शुरुआत के बावजूद बीएसई सेंसेक्स 181.04 अंक की गिरावट के साथ 79,762.67 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 56.55 अंक फिसलकर 24,132.10 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा और एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, नेस्ले और अदाणी पोर्ट्स के शेयर लाभ में रहे।

पहले दिन का खेल खत्म, बुमराह–कोंस्टास की टक्कर से मैच हुआ रोमांचक, भारत से 176 रन पीछे ऑस्ट्रेलिया

भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। हालांकि, बुमराह का यह फैसला गलत साबित हुआ और पूरी टीम 185 रन पर सिमट गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में एक विकेट गंवाकर नौ रन बना लिए हैं।

सिडनी, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले दिन का खेल खत्म हो गया है। भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाए थे। जवाब में स्टंप तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में एक विकेट गंवाकर नौ रन बना लिए हैं। दिन के खेल की अंतिम गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को केएल राहुल के हाथों कैच कराया। ख्वाजा के आउट होने के साथ ही स्टंप की घोषणा कर दी गई। वह दो रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया की टीम फिलहाल 176 रन पीछे चल रही है। फिलहाल क्रीज पर सैम कोंस्टास सात रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी में सस्ते में आउट होने के बाद कोंस्टास और ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया पारी का आगाज किया। कोंस्टास ने एक चौका लगाकर टीम को तेज शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन बुमराह ने ख्वाजा को आउट कर भारतीय कैंप को खुश होने का मौका दिया। ऑस्ट्रेलियाई पारी के तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद के बाद बुमराह जैसी ही रन अप लेने लगे, तभी ख्वाजा ने रुकने का इशारा किया। ख्वाजा ने चाल चलते हुए खेल को धीमा करने की कोशिश की। बुमराह ने इसका विरोध किया, क्योंकि भारत ज्यादा से ज्यादा ओवर करना चाहता था। ख्वाजा के ऐसा करने से बुमराह नाखुश दिखे। इस पर नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े कोंस्टास भड़क गए और उन्होंने बुमराह से कुछ कहा। इस पर बुमराह ने भी कोंस्टास को करारा जवाब दिया और उनकी ओर बढ़े। हालांकि, अंपायर ने बीच बचाव किया और दोनों को अलग किया।

सिडनी टेस्ट पहला दिन

सत्र	ओवर	रन बने	विकेट गिरे	रन रेट
पहला	25	57	3	2.28
दूसरा	25	50	1	2.00
तीसरा	25,2	87	7	3.43

इसके बाद अगली ही गेंद पर बुमराह ने ख्वाजा को कैच आउट कर दिया। जैसे ही ख्वाजा आउट हुए। पूरी भारतीय टीम ने कोंस्टास को घेर लिया और एकसाथ चीयर किया। कोंस्टास चुप चाप वहां से चले गए। बुमराह भी विकेट लेने के बाद कोंस्टास की तरफ मुड़े लेकिन फिर चुप हो गए। इससे पहले, भारत की पहली पारी 185 रन पर सिमट गई थी। भारतीय टीम 72.2 ओवर ही खेल सकी। टीम के लिए ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। इसके अलावा रवींद्र जडेजा ने 26 रन, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 रन, शुभमन गिल 20 रन, विराट कोहली 17 रन और यशस्वी जायसवाल 10 रन बना सके। इनके अलावा बाकी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। केएल राहुल चार रन, प्रसिद्ध कृष्णा तीन रन और मोहम्मद सिराज तीन रन बना सके। नीतीश रेड्डी खाता नहीं खोल सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्कॉट बोलैंड ने चार विकेट झटके, जबकि मिचेल स्टार्क को तीन विकेट मिले। पैट कमिंस ने दो विकेट लिया, जबकि नाथन लियोन को एक विकेट मिला।

2024 से 14वीं बार भारत टेस्ट में 80 ओवर से पहले हुआ ऑलआउट

न्यूजीलैंड-बांग्लादेश को पीछे छोड़ा

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की पहली पारी सिडनी टेस्ट में 185 रन पर ढेर हो गई। भारतीय

सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। सिडनी,एजेंसी। भारतीय टीम

टीम 72.2 ओवर ही खेल सकी। टीम के लिए ऋषभ पंत ने

की बल्लेबाजी ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर एक बार फिर नाकाम साबित

हुई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की पहली पारी सिडनी टेस्ट में 185 रन पर ढेर हो गई। भारतीय टीम 72.2 ओवर ही खेल सकी। टीम के लिए ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। भारत ने इस मुकाबले के लिए नियमित कप्तान रोहित शर्मा को बाहर बैठाया हुआ है, लेकिन पहली पारी में इसका फायदा नजर नहीं आया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले दिन का खेल खत्म हो गया है। भारत को पहली पारी में ऑलआउट करने के बाद स्टंप तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में एक विकेट गंवाकर नौ रन बना लिए हैं। दिन के खेल की अंतिम गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को केएल राहुल के हाथों कैच कराया। ख्वाजा के आउट होने के साथ ही स्टंप की घोषणा कर दी गई। वह दो रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया की टीम फिलहाल 176 रन पीछे चल रही है। फिलहाल क्रीज पर सैम कोंस्टास सात रन बनाकर नाबाद हैं।

सबसे ज्यादा बार 80 ओवर से ऑलआउट होने वाली दूसरी टीम बना भारत

भारतीय टीम ने इसके साथ ही एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम 2024 से सबसे ज्यादा बार टेस्ट में 80 ओवर से भी कम पर ऑलआउट होने वाली दूसरी टीम बन गई है। भारत अब तक 14 बार टेस्ट में 80 ओवर भी नहीं खेल सकी है। इस सूची में शीर्ष पर इंग्लैंड की टीम है जो 18 बार 80 ओवर नहीं खेल सकी है। भारत ने इस मामले में न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को पीछे छोड़ा जो 13 बार 80 ओवर से पहले ऑलआउट हुए हैं।

सिडनी में तीसरी बार नहीं बना सके 200 रन

भारतीय टीम वर्ष 2000 से तीसरी बार सिडनी में पहली पारी में 200 रन नहीं बना सकी है। भारत इससे पहले 2000 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में 150 रन बना सका था,

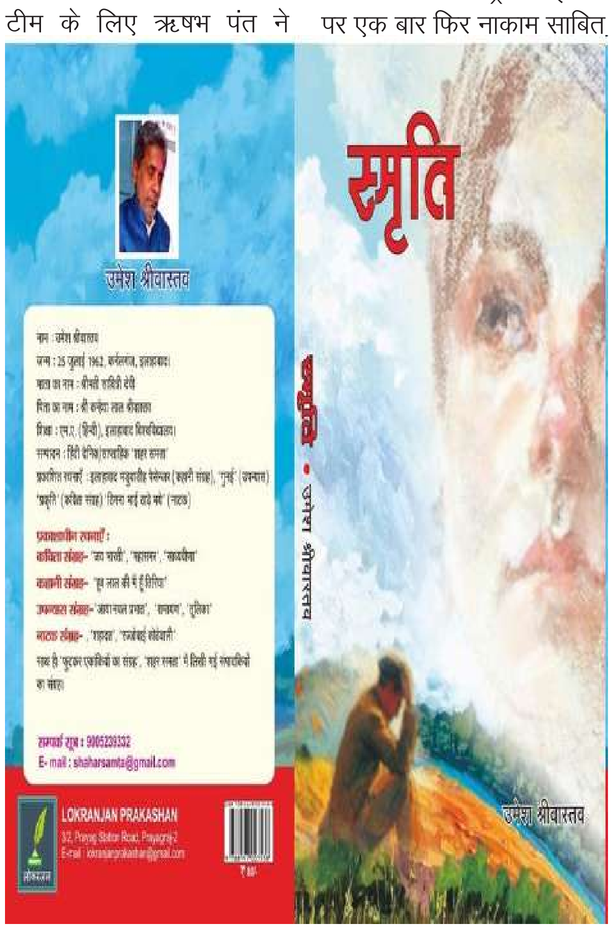

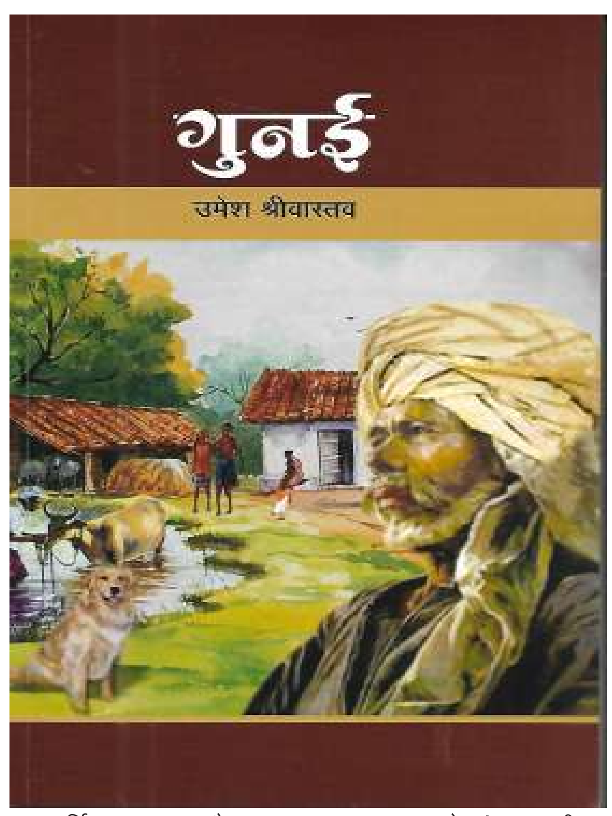

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

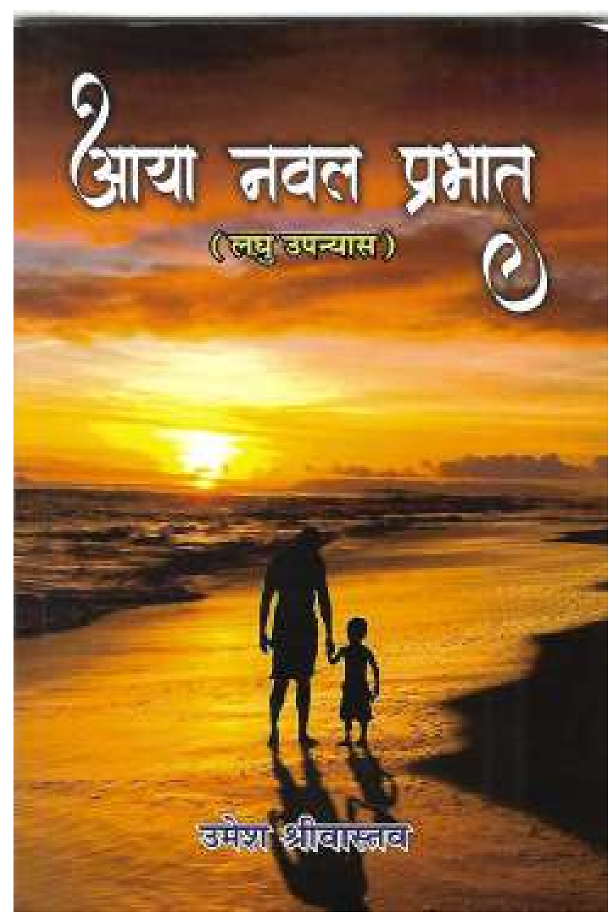

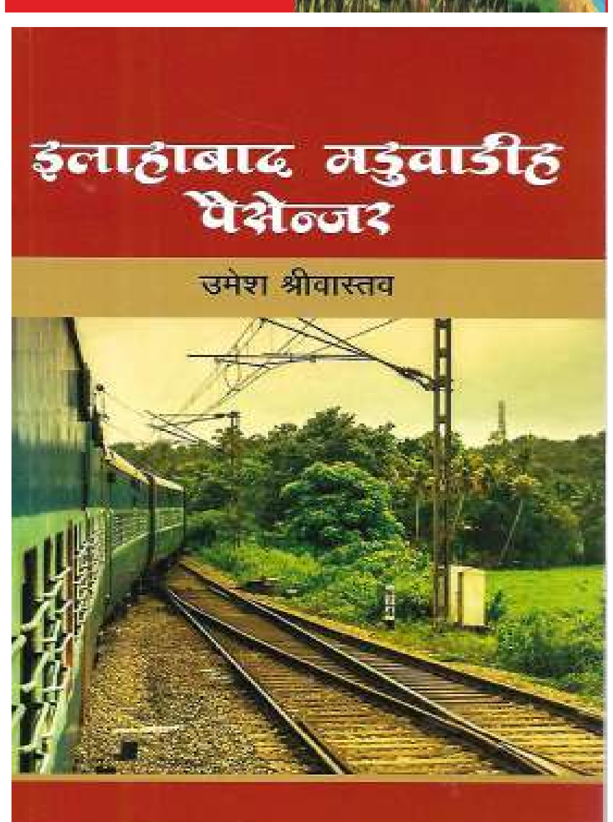

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

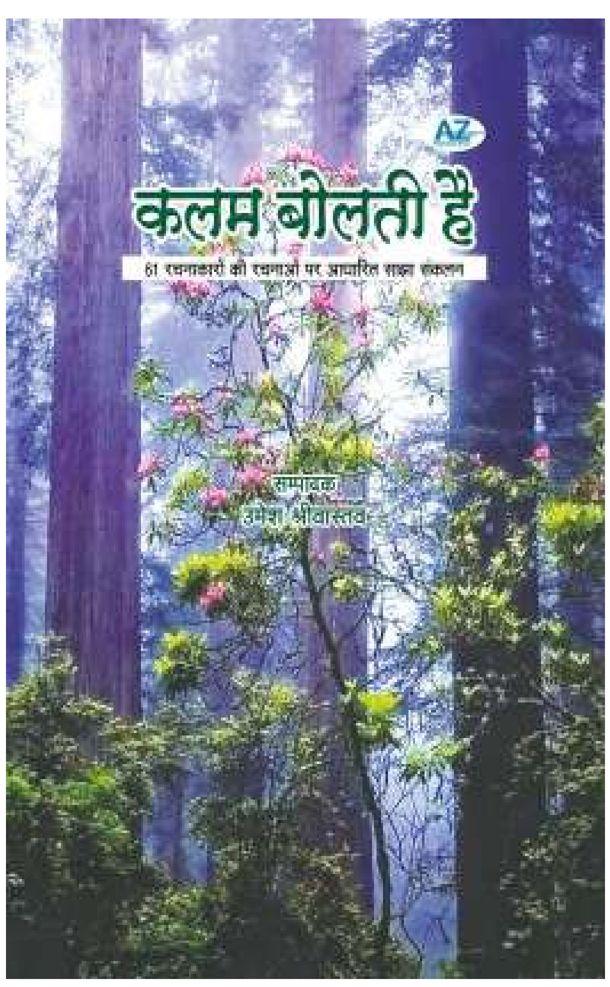

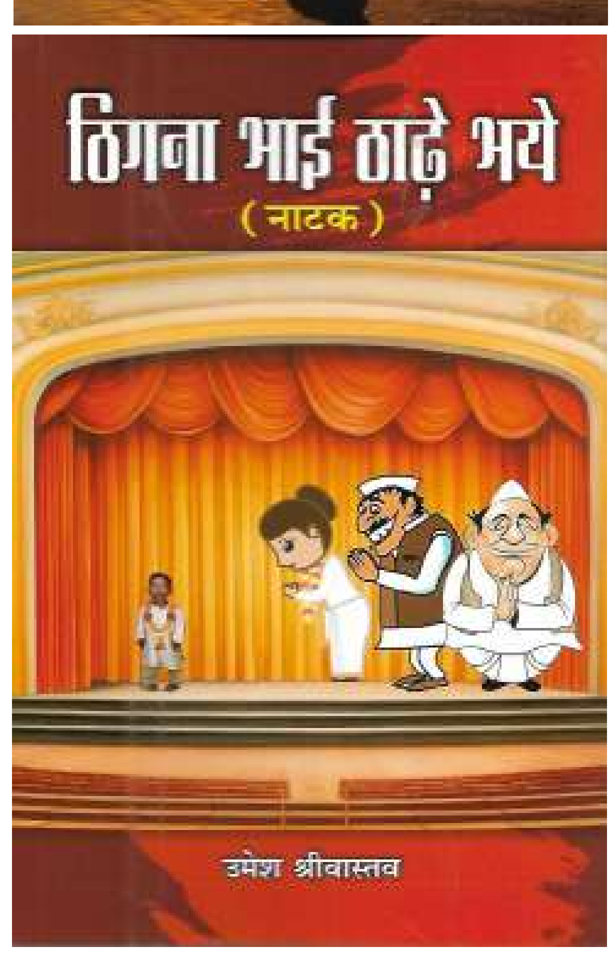

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

8 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, 30 लोगों को बचाया गया

सियोल के दक्षिण में स्थित दक्षिण कोरियाई शहर सियोंगनाम में शुक्रवार को आग में कई लोगों के फंसे होने की खबर है। स्थानीय टेलीविजन ने एक इमारत का वीडियो फुटेज दिखाया जो कम से कम आठ मंजिला ऊंची इमारत थी जो काले धुएं में डूबी हुई थी और निचली मंजिलों पर आग जल रही थी।

वाईटीएन ने कहा, किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। अग्निशमन अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार को दक्षिण कोरियाई शहर सेओंगनाम में एक बड़ी व्यावसायिक इमारत में आग लगने के बाद 30 लोगों को बचाया गया या निकाला गया। ग्योंगगी प्रांतीय अग्निशमन विभाग के अनुसार, आग लगने की जगह पर 100 से अधिक अग्निशामक और 40 वाहन तैनात किए गए थे। आधिकारिक विभाग ने कहा कि लगभग 50 लोग संपत्ति से बाहर निकलने में कामयाब रहे, जबकि आपातकालीन कर्मियों ने अन्य 40 को बचाया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि आठ मंजिला इमारत के अंदर अभी भी कोई था, जिसमें कई बेसमेंट स्तर हैं। अग्निशमन विभाग ने कहा कि कुछ लोगों का धुएं के कारण इलाज किया गया, लेकिन गंभीर चोट की कोई खबर नहीं है। आग लगने के कारण का तत्काल पता नहीं चल पाया है।

इनोग्रेशन डे से एक दिन पहले ट्रंप का शक्ति प्रदर्शन, 19 जनवरी को वाशिंगटन डीसी में विजय रैली

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा देश के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने से एक दिन पहले वाशिंगटन में एक बड़ी रैली आयोजित करने की उम्मीद है। विजय रैली 19 जनवरी को कोलंबिया जिले के कैपिटल वन एरेना में आयोजित की जाएगी। ट्रम्प ने हमेशा रैली–शैली के कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी है जहां वह अपने समर्थकों के साथ फ्रीव्हील और मजाक कर सकते हैं। 20 जनवरी को यूएस कैपिटल में एक औपचारिक समारोह में उनका उद्घाटन किया जाएगा। यह 47वें राष्ट्रपति के रूप में

शपथ लेने से एक दिन पहले राष्ट्रपति ट्रम्प की विजय रैली है – भीड़ बहुत बड़ी होनी चाहिए! हत्या के प्रयास के बाद के महीनों में ट्रम्प के बड़े आउटडोर कार्यक्रम सीमित थे। मैदान में लगभग 20,000 लोग बैठते हैं।

कड़ी होगी सुरक्षा

इनोग्रेशन डे को एक राष्ट्रीय विशेष सुरक्षा कार्यक्रम माना जाता है जो संघीय निधियों को मुक्त करता है और स्थानीय कानून प्रवर्तन के साथ सहयोग में आसानी बढ़ाता है। ट्रम्प ने अपने इनोग्रेशन डे में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य विश्व नेताओं को आमंत्रित किया – एक अपरंपरागत कदम जो अमेरिकी सहयोगियों और विरोधियों को एक बहुत ही अमेरिकी राजनीतिक परंपरा में बदल देगा। यह स्पष्ट नहीं है कि कोई नेता वास्तव में इसमें भाग लेगा या नहीं। आने वाले राष्ट्रपति ने पद संभालते ही बड़े पैमाने पर निर्वासन प्रयास शुरू करने का वादा किया है। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के मुख्य आर्थिक प्रतिद्वंद्वी, चीन, साथ ही पड़ोसी कनाडा और मैक्सिको के खिलाफ बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाने की भी कसम खाई है, जब तक कि ये देश अवैध आप्रवासन और संयुक्त राज्य अमेरिका में फेंटेनाइल जैसी अवैध दवाओं के प्रवाह को कम करने के लिए और अधिक प्रयास नहीं करते हैं। उन्होंने यूक्रेन में रूस के लगभग तीन साल के युद्ध को समाप्त करने के लिए शीघ्रता से आगे बढ़ने का भी वादा किया है।

अमेरिकाः 'सदर्न कैलिफोर्निया' में विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत, 18 लोग घायल

अमेरिका के 'सदर्न कैलिफोर्निया' में बृहस्पतिवार को एक विमान यहां स्थित एक व्यावसायिक इमारत की छत से टकरा गया जिससे दो लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। फुलर्टन पुलिस प्रवक्ता क्रिस्टी वेल्स ने बताया कि पुलिस को बृहस्पतिवार को अपराह्न दो बजकर नौ मिनट पर फुलर्टन के ऑरेंज काउंटी शहर में हुई इस दुर्घटना के बारे में सूचना मिली। वेल्स ने बताया कि मौके पर पहुंचे अग्निशमन के कर्मियों और पुलिस की टीम ने आग पर काबू पा लिया है तथा आसपास के व्यापारिक प्रतिष्ठानों को भी खाली कराया गया है। आग से एक गोदाम को नुकसान पहुंचा है। ऐसा प्रतीत होता है कि गोदाम में सिलाई मशीन और कपड़े रखे थे। पुलिस ने बताया कि 10 घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जबकि आठ लोगों का घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार किया गया। वेल्स ने बताया कि दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

ट्रंप के पद संभालने से पहले कांप रहे हैं अमेरिकी मुस्लिम, शम्सुद्दीन जब्बार के आतंकी कृत्य ने सबको मुसीबत में डाला

अमेरिका में हालिया आतंकवादी हमलों के पीछे मुस्लिमों का हाथ होने के चलते वहां रह रहे मुस्लिम समुदाय के मन में तमाम तरह की आशंकाएं देखी जा रही हैं। खासकर नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह हालिया हमलों को अवैध आप्रवासियों से जोड़ा है उसके चलते विशेष रूप से मुस्लिमों के बीच चिंता देखी जा रही है। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने कहा है कि हमारे देश में अपराध दर उस स्तर पर है जैसी पहले कभी किसी ने नहीं देखी। उन्होंने अपराधों से सीधे–सीधे आप्रवासियों को जोड़ दिया। ट्रंप के बयान के बाद अमेरिका में तमाम मुस्लिम संगठनों की ओर से बयान जारी कर पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की जा रही है और चरमपंथी विचारधारा को खारिज किया जा रहा है। अमेरिका में मुस्लिम अधिकार और सामाजिक संगठनों के बीच यह बताने की होड़ लग गयी है कि उनका समाज किसी भी प्रकार की चरमपंथी विचारधारा का समर्थन नहीं करता। इस तरह की रिपोर्टें भी देखने को मिल रही हैं कि मुस्लिम संगठन अपने समाज के लोगों को मीडिया के सवालों से बचने की सलाह दे रहे हैं और किसी एजेंसी द्वारा संपर्क

करने पर इस्लामी संगठनों के प्रतिनिधियों को इस बात की सूचना देने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि न्यू ऑरलियंस में नए साल के स्वागत का जश्न मना रहे लोगों पर हमला करने वाला व्यक्ति शम्सुद्दीन जब्बार आईएसआईएस का कट्टर समर्थक था। न्यू ऑरलियंस में नए साल के स्वागत का जश्न उस वक्त त्रासदी में बदल गया था जब जब्बार ने जश्न मना रहे लोगों पर पिकअप ट्रक चढ़ा दिया था। इस घटना में 14 लोगों की मौत हो गई थी और 35 अन्य घायल हो गए थे। आरोपी टेक्सास राज्य का 42 वर्षीय पूर्व सैनिक था और वह स्थानीय पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। बताया जा रहा है कि जब्बार ने इस्लामिक स्टेट के प्रति निष्ठा की प्रतिज्ञा ली थी और ऐसा प्रतीत होता है कि उसने एक रिकॉर्डिंग की थी जिसमें उसने संगीत, ड्रग्स और शराब की निंदा की थी। जब्बार अफगानिस्तान में भी सेवाएं दे चुका है। इस मामले की जांच का काम एफबीआई ने संभाल लिया है और उसने इसे आतंकवादी हमला करार देते हुए विभिन्न कोणों से इसकी जांच की बात कही है। एफबीआई के उप सहायक निदेशक क्रिस्टोफर राया ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह पूर्व नियोजित और एक दुष्ट कृत्य था। उन्होंने कहा कि जब्बार इराक और सीरिया में लड़ाकों वाले आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट से प्रेरित था। राया ने कहा कि अभी यह कहना मुश्किल है कि कैसे एक अनुभवी सैनिक, रियल–एस्टेट एजेंट और प्रमुख कर और परामर्श फर्म डेलॉइट का कर्मचारी रहा व्यक्ति आईएसआईएस के प्रभाव में आ गया। जब्बार ने अमेरिकी सेना में 10 साल तक सेवा की थी और उसकी उम्र 42 थी। देखा जाये तो जो लोग इस्लामिक स्टेट की भर्ती का शिकार बनते हैं, वे आम तौर पर बहुत कम उम्र के होते हैं इसलिए सवाल उठ रहा है कि एक देशभक्त कैसे आईएसआईएस में शामिल हो गया। हम आपको बता दें कि अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन के निरंतर सैन्य अभियान से इस्लामिक स्टेट काफी कमजोर हो गया है, फिर भी इस्लामिक स्टेट ने सहानुभूति रखने वालों की ऑनलाइन भर्ती जारी रखी है। वैसे अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जब्बार का विदेशी चरमपंथी समूहों के साथ क्या संपर्क रहा होगा। अमेरिकी अधिकारियों और अन्य विशेषज्ञों का कहना है कि इराक और सीरिया में 2014 में अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के हाथों षखिलाफतष खोने के बाद से इस्लामिक स्टेट अपनी अधिकांश भर्ती ऑनलाइन चौटरूम और एन्क्रिप्टेड संचार ऐप्स पर करता है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इस्लामिक स्टेट ने अपनी भर्ती को बढ़ावा देने के लिए गाजा में इजरायल के युद्ध में हजारों फिलिस्तीनियों की मौत का इस्तेमाल किया है। बताया जाता है कि चरमपंथी समूह नई भर्तियों को आकर्षित करने के लिए एक समान रणनीति का पालन करते हैं। यह समूह अपने संदेश को आगे बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और फिर चर्चाओं को टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड ऐप पर ले जाते हैं। बताया जाता है कि जो लोग हमलों को अंजाम दे रहे हैं, वे अपने जीवन में कभी भी किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिले हैं जो आईएसआईएस का सदस्य है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे आईएसआईएस–प्रेरित हमले को अंजाम नहीं दे सकते। कारों को भीड़ से टकराना या चाकू से हमला करना बहुत कम बजट वाले हमले हैं (जिनसे) बचाव करना लगभग असंभव है। जहां तक जब्बार की बात है तो आपको बता दें कि उसके सौतेले भाई ने मीडिया को बताया है कि उसने 20 की उम्र में इस्लाम को त्याग दिया था लेकिन हाल ही में इसे फिर से अपना लिया था। ऐसी भी जानकारी सामने आई है कि 11 महीने पहले उसने धार्मिक ऑडियो रिकॉर्डिंग की एक श्रृंखला बनाई थी जिसमें संगीत की बुराइयों पर कट्टरपंथी विचारों के साथ–साथ नशीली दवाओं और शराब की निंदा जैसे मुख्यधारा के इस्लामी विचार भी शामिल थे। जब्बार के सौतेले भाई अब्दुर जब्बार ने पुष्टि की है कि साउंडक्लाउड प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की गई रिकॉर्डिंग जब्बार की थी। एक रिकॉर्डिंग में शम्सुद्दीन जब्बार कहता है, षसंगीत शैतान की आवाज़ है... शैतान की आवाज़ भी लोगों को अल्लाह के रास्ते से भटका रही है।ष अब्दुर जब्बार ने यह भी बताया है कि जब्बार के पिता को 2023 में स्ट्रोक हुआ था और वह उनकी देखभाल की व्यवस्था करने में मदद कर रहे थे। अदालत के रिकॉर्ड से यह भी पता चला है कि सितंबर 2022 में जब्बार का दूसरी पत्नी से तलाक हो गया था। इसके अलावा, हमले की सुबह 1रू29 बजे से 3रू02 बजे के बीच उसने फेसबुक पर पांच वीडियो पोस्ट किए थे जिसमें उसने कहा था कि वह इस्लामिक स्टेट का समर्थन करता है। जब्बार ने वीडियो में यह भी कहा कि वह पिछली गर्मियों से पहले इस्लामिक स्टेट में शामिल हो गया था। बहरहाल, पूरे मामले को लेकर अमेरिका की राजनीति गर्मा गयी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि शम्सुद्दीन जब्बार ने अकेले ही इस घटना को अंजाम दिया तो वहीं ट्रंप ने कहा है कि बढ़ते हमलों के पीछे अवैध आप्रवासी हैं। ट्रंप के तेवरों और जब्बार की हरकत को देखकर स्थानीय मुस्लिमों के होश उड़ गये हैं।

घंटों चले गतिरोध के बाद राष्ट्रपति यून को हिरासत में लेने में विफल रहे प्राधिकारी

सियोल,एजेंसी। दक्षिण कोरिया के जांचकर्ता महाभियोग का सामना कर रहे देश के राष्ट्रपति यून सुक येओल को राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा के साथ लगभग छह घंटे के गतिरोध के बाद भी हिरासत में नहीं ले सके। यून द्वारा लगाए गए अल्पकालिक 'मार्शल लॉ' के बाद से जारी राजनीतिक संकट और एक महीने के भीतर दो राष्ट्राध्यक्षों के खिलाफ महाभियोग चलाए जाने से दक्षिण कोरियाई राजनीति पंगु हो गयी है। देश की भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने कहा कि उसके जांचकर्ताओं को यून के आधिकारिक आवास में प्रवेश करने से रोक दिया गया जिसके बाद उन्हें सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण वापस बुला लिया गया है। एजेंसी ने कहा कि वह "संदिग्ध के रवैये पर गंभीर खेद व्यक्त करती है जिन्होंने कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया।" यून उनसे पूछताछ की जांचकर्ताओं की कोशिश को पिछले कई सप्ताह से विफल कर रहे हैं। यून आखिरी बार 12 दिसंबर को अपने आवास से बाहर निकले थे। उस समय वह निकट स्थित राष्ट्रपति कार्यालय गए थे और उन्होंने

टेलीविजन पर प्रसारित राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि वह उन्हें हटाने के प्रयासों का विरोध करेंगे। जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि तीन दिसंबर को यून द्वारा लगाया गया अल्पकालिक 'मार्शल लॉ' विद्रोह के समान है या नहीं। यून उनकी नीतियों को विपक्ष के प्रभुत्व वाली संसद द्वारा अवरुद्ध किए जाने से हताश थे और इसीलिए उन्होंने तीन दिसंबर को 'मार्शल लॉ' लागू कर दिया और 'नेशनल असेंबली' को घेरने के लिए सेना भेज दी। संसद ने कुछ ही घंटों बाद इस घोषणा को सर्वसम्मति से निष्प्रभावी कर दिया। दक्षिण कोरिया में अल्पकालिक मार्शल लॉ लागू करने का आदेश देने पर 'नेशनल असेंबली' में राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ लाया गया महाभियोग का प्रस्ताव 14 दिसंबर को पारित हो गया था। उन पर विद्रोह का आरोप लगाया गया है। दक्षिण कोरियाई भ्रष्टाचार रोधी अधिकारियों और सरकारी अभियोजकों ने इस घटनाक्रम की अलग–अलग जांच शुरू की। सियोल की एक अदालत ने यून को हिरासत में लेने के लिए मंगलवार को वारंट जारी किया था लेकिन जब तक वह अपने आधिकारिक आवास में हैं, तब तक इसे लागू करना जटिल है। यून के वकीलों ने बृहस्पतिवार को वारंट को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि कानून के अनुसार, सैन्य गोपनीय दस्तावेजों से जुड़े स्थानों की उसके प्रभारी की सहमति के बिना तलाशी नहीं ली जा सकती। इसी कानून के तहत वारंट की यून के आवास पर तामील नहीं की जा सकती। कार्यालय ने कहा कि वह आगे की कार्रवाई पर विचार करेगा लेकिन उसने अभी यह नहीं बताया कि वह यून को हिरासत में लेने का एक और प्रयास करेगा या नहीं। यून को हिरासत में लेने का वारंट एक सप्ताह के लिए वैध है। अगर जांचकर्ता यून को हिरासत में लेने में सफल हो जाते हैं, तो वे उनकी औपचारिक गिरफ्तारी के लिए अदालत से अनुमति मांगेंगे। अन्यथा, उन्हें 48 घंटे बाद रिहा कर दिया जाएगा। शुक्रवार को हज़ारों पुलिसकर्मियों को यून के आवास के आस–पास तैनात किया गया और उन्होंने यून समर्थक प्रदर्शनकारियों के चारों ओर घेरा बना लिया। कड़ाके की ठंड के बावजूद यून के आवास पर बड़ी संख्या में एकत्र प्रदर्शनकारियों ने दक्षिण कोरियाई एवं अमेरिकी झंडे लहराए और राष्ट्रपति के समर्थन में नारे लगाए। आवास के बाहर किसी बड़ी झड़प की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली। जांचकर्ताओं के यून को हिरासत में लेने के लिए उनके आवास पहुंचने के बाद कई घंटों तक गतिरोध की स्थिति बनी रही।

न्यू ऑरलियंस का हमलावर आईएसआईएस का कट्टर समर्थन था, अकेले ही हमले को अंजाम दियाः बाइडन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि न्यू ऑरलियंस में नए साल के स्वागत का जश्न मना रहे लोगों पर हमला करने वाले व्यक्ति शम्सुद्दीन जब्बार ने अकेले ही इस घटना को अंजाम दिया और इस बात के संकेत मिले हैं कि वह आईएसआईएस का कट्टर समर्थक था। अमेरिका के न्यू ऑरलियंस में बुधवार तड़के नए साल के स्वागत का जश्न उस वक्त त्रासदी में बदल गया जब जब्बार ने जश्न मना रहे लोगों पर पिकअप ट्रक चढ़ा दिया। इस घटना में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने कहा कि वह मामले में आतंकवादी हमले के पहलू से जांच कर रहा है। आरोपी टेक्सास राज्य का 42 वर्षीय पूर्व सैनिक था और वह स्थानीय पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। बाइडन ने संवाददाताओं से कहा, "एफबीआई ने आज मुझे बताया कि हमें अभी तक इस बात का कोई सबूत नहीं मिला है कि हमले में कोई और शामिल था। उन्हें पता चला है कि हमलावर वही व्यक्ति था जिसने भीड़ में अपनी गाड़ी घुसाने से कुछ घंटे पहले ही 'फ्रेंच क्वार्टर' में दो नजदीकी जगहों पर 'आइस कूलर' में विस्फोटक रखे थे।" बाइडन ने कहा, "उनका अनुमान है कि उसके वाहन में इन दो कूलर को उड़ाने के लिए रिमोट डेटोनेटर था।" उन्होंने कहा, "हमलावर ने हमले से कुछ घंटे पहले ही कई वीडियो पोस्ट किए थे, जिनसे पता चलता है कि वह आईएसआईएस का कट्टर समर्थक था।" उन्होंने कहा कि संघीय कानून प्रवर्तन और खुफिया समुदाय मामले की सक्रिय जांच कर रहे हैं। बाइडन ने बृहस्पतिवार को दोपहर कैंप डेविड से लौटने के तुरंत बाद अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक की। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि न्यू ऑरलियंस में हुए हमले और लॉस वेगास में हुए विस्फोट के बीच कोई संबंध है या नहीं। अमेरिका के नव–निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लॉस वेगास स्थित होटल के बाहर बुधवार को 'टेस्ला साइबरट्रक' में विस्फोट हो जाने से उसमें सवार एक संदिग्ध व्यक्ति की मौत हो गई थी।

टेबल पर कुरान, बम बनाने का सामान, US में हमले के आरोपी जब्बार के घर से क्या क्या मिला?

नए साल के पहले दिन अमेरिका के ह्यूटन के न्यू ऑरलियन्स में हुए आतंकी हमले की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में ये पता चला है कि आईएसआईएस से प्रेरित आतंकवादी शम्सुद्दीन

जब्बार ने अपने जर्जर टेक्सास ट्रेलर घर में बम बनाने का वर्कबेंच रखा था। शम्सुद्दीन–दीन जब्बार के उत्तरी ह्यूस्टन ट्रेलर घर बम बनाने की सामग्री से भरा हुआ। नए साल के दिन, जब्बार ने सुबह 3 बजे बोरबॉन स्ट्रीट के मध्य में एक किराए की फोर्ड एफ–150 लाइटनिंग चलाई और भीषण हिंसा में मौज–मस्ती कर रहे लोगों को कुचल डाला। चौदह लोग मारे गए, दर्जनों घायल हो गए और जब्बार खुद पुलिस के साथ गोलीबारी में मारा गया। संघीय जांचकर्ताओं ने इसे आतंकवादी कृत्य करार दिया है।

हिंसा के लिए खुला कुरान

न्यूयॉर्क पोस्ट द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में जब्बार के शयनकक्ष में विस्फोटकों को इकट्ठा करने के लिए एक कार्यक्षेत्र दिखाया गया है। उनकी कुरान एक बुकशेल्फ़ के ऊपर प्रमुखता से खड़ी थी, कुरान का यह अंश, आयत 9रू111 जो मुसलमानों की जिम्मेदारी का एहसास कराता है कि वे अल्लाह के दुश्मनों को मारें, और जन्नत में अनंत काल के बदले में उस मिशन के लिए खुद को मरने को भी तैयार रहें। यह वही विचारधारा थी जिसे उन्होंने अपने हमले से कुछ मिनट पहले ऑनलाइन पोस्ट किए गए खौफनाक वीडियो में अपनाया था, जहां उन्होंने आईएसआईएस के प्रति अपनी निष्ठा की घोषणा की थी और अपने परिवार सहित धमकियां जारी की थीं।

घर पर एक अराजक दृश्य

जब्बार के ट्रेलर पर एफबीआई छापे के बाद किनारे पर रहने वाले एक व्यक्ति की तस्वीर चित्रित हुई। घर अस्त–व्यस्त था, सामने का दरवाज़ा नीचे गिरा दिया गया था, अलमारियाँ खुली हुई थीं और फर्नीचर उलट गया था। उनके मुख्य शयनकक्ष में कोठरी में एक कैफियेह और कार्यक्षेत्र पर बम बनाने के उपकरण रखे हुए थे – जो उनके अंधेरे मोड़ के अशुभ संकेत थे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।